राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार 06 जुलाई 2024 वर्ष-7,अंक-163 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रूस ने यूक्रेन के 42 हजार से ज्यादा हमलों को किया नाकाम

मॉस्को। रूस के वायु और मिसाइल रक्षा बलों के कमांडर और लेफ्टिनेंट जनरल आंद्रेई सेमेनोव ने कहा कि यूक्रेन में रूस के विशेष सेना ने अभियान की शुरुआत के बाद से रूसी वायु रक्षा बलों और वायु रक्षा साधनों ने 550 से ज्यादा विमानों और 27 हजार ड्रोन समेत 42 हजार से ज्यादा हवाई हमलों को नष्ट किया है। उन्होंने कहा कि विशेष सैन्य अभियान में वायु रक्षा बलों द्वारा कुल 42 हजार से ज्यादा हवाई हमलो को नष्ट किया है। इसमें 550 से ज्यादा विमान, 180 से ज्यादा हेलीकॉप्टर और 27,000 से ज्यादा यूएवी शामिल हैं। कमांडर ने कहा कि यूक्रेन के करीब एक तिहाई मानवयुक्त विमानों को अग्रिम क्षेत्रों से कम दूरी की वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा मार गिराया।

बोट दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत, दस घायल

लॉस एंजिल्स,(ईएमएस)। दक्षिणी कैलिफोर्निया के तटीय शहर लॉन्ग बीच में बोट दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दस घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लॉन्ग बीच फायर विभाग के कर्मचारियों ने 4 -फुट लंबी बोट के एलामीटोस बे जेट्टी में दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना पर कार्रवाई की। विभाग ने कहा कि बोट में 11 लोग सवार थे जिसमें एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हुई है बाकि दस लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है जिनमें तीन की हालत गंभीर है। रिपोर्ट्स में स्थानीय केटीएलए टेलीविजन स्टेशन के हवासे से बताया कि मृतक की उम्र 40 से 50 साल के बीच है। बोट के चट्टानों से टकराने का कारण अभी साफ नहीं है। अधिकारियों ने संभावना जताई कि तेज गति के कारण यह हादसा हुआ होगा।

यमन में हैती ठिकानों पर अमेरिका-ब्रिटेन ने की संयुक्त एयर स्ट्राइक

सना। अमेरिका-ब्रिटेन ने यमन के लाल सागर प्रांत होदेइदाह में हैती ठिकानों पर हवाई हमले किए। यह हमले गुरुवार को प्रांत के उत्तर-पश्चिमी जिले अलुहायाह और दक्षिणी जिले बैत अल-फकीह में किए गए। एक रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय लोगों ने बताया कि हमलों में हैती समूह के मोबाइल सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। अमेरिका-ब्रिटेन ने अभी तक हमलों को लेकिर कोई टिप्पणी नहीं की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा था कि उनके सुरक्षा बलों ने हैती नियंत्रित क्षेत्रों में दो रडार साइटों और लाल सागर में दो हौथी ड्रोन नौकाओं को खत्म किया है। हौथी समूह का उत्तरी यमन के ज्यादातर हिस्सों पर कब्जा है। उसने बीते साल नवंबर में लाल सागर से गुजरने वाले इजरायल के जहाजों पर जहाजरोधी बैलिस्टिक मिसाइलों और सशस्त्र ड्रोनों से हमला किया था। हमले गाजा पट्टी में इजरायल के हमलों के शिकार फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिये किए गए थे। जवाब में जलक्षेत्र में तैनात अमेरिकी-ब्रिटिश के नौसैनिकों ने समूह के हमलों को रोकने के प्रयास में जनवरी से ही हैती ठिकानों पर हवाई हमले और मिसाइल हमले किए। हालांकि, हैती समूह ने अमेरिका और ब्रिटेन के व्यापारिक जहाजों और नौसैनिक जहाजों पर अपने हमले बढ़ा कर जवाबी कार्रवाई की है।

शराब के सेवन से युवाओं में भी बढ़ जाता है स्वास्थ्य का जोखिम, अध्ययन में सामने आई जानकारी

वाशिंगटन । युवाओं को ज्यादा उम्र वाले लोगों की तुलना में शराब के सेवन से अधिक स्वास्थ्य जोखिम का सामना करना पड़ता है। प्रमुख शोध पत्रिका में शुक्रवार को प्रकाशित एक वैश्विक अध्ययन में यह बात कही गई है। भौगोलिक क्षेत्र, आयु, लिंग और वर्ष के आधार पर शराब से जुड़े जोखिम के बारे में यह पहला अध्ययन है। अध्ययन में कहा गया है कि दुनिया भर में शराब की खपत की सिफारिशें उम्र और स्थान पर आधारित होनी चाहिए, जिसमें सबसे सख्त दिशानिर्देश 15-39 साल के आयु वर्ग के पुरुषों के लिए लक्षित हों। अध्ययन में कहा गया है कि इस उम्र समूह में शराब के सेवन से स्वास्थ्य का जोखिम बढ़ जाता है। अध्ययन से यह भी पता चलता है कि अगर कोई गंभीर बीमारी नहीं हो तो 40 वर्ष और उससे अधिक उम्र के वयस्कों को कम मात्रा में शराब के सेवन से कुछ लाभ मिल सकता है। ऐसे में इस समूह को हृदय रोग, हृदयाघात और मधुमेह का जोखिम कम होता है। शोधकर्ताओं ने 204 देशों में शराब के सेवन के अनुमानों के आधार पर गणना की कि 2020 में 1.34 अरब लोगों ने हानिकारक मात्रा में इसका सेवन किया। शोधकर्ताओं ने कहा कि हर क्षेत्र में, असुरक्षित मात्रा में शराब पीने वाली आबादी का सबसे बड़ा वर्ग 15-39 साल के आयु वर्ग के पुरुष थे और इस आयु वर्ग के लोगों को शराब पीने से कोई स्वास्थ्य लाभ नहीं होता बल्कि कई स्वास्थ्य जोखिम होते हैं। उन्होंने कहा कि इस आयु वर्ग के लोगों में लगभग 60 प्रतिशत चोटें शराब से जुड़ी घटनाओं के कारण होती हैं, जिनमें मोटर वाहन दुर्घटनाएं, आत्महत्या और हत्या शामिल हैं। अमेरिका के वाशिंगटन विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैल्यूशन (आईएचएमई) के प्रोफेसर और अध्ययन की लेखिका इमैनुएला गाकिडौ ने कहा हमारा संदेश बिल्कुल स्पष्ट है-युवाओं को शराब का सेवन नहीं करना चाहिए लेकिन उम्रदराज लोगों को कम मात्रा में इसके सेवन से कुछ फायदे हो सकते हैं।

वीडियो गेम खेलने वाले लड़के ने कमाया नाम, अब बनेगा मिलेनियल संत

-पोप ने दी मंजूरी, कैथोलिक चर्च के जयंती समारोह में होगा ऐलान

वेटिकन सिटी। क्या वीडियो गेम से कोई दुनिया में नाम कमा सकता है। ऐसा फिल्मी में या सपनों में हो सकता है लेकिन हकीकत में ऐसा हुआ है वीडियो गेम खेलने वाले एक लड़को को कैथोलिक चर्च ने मिलेनियल संत बनने की मंजूरी दे दी है। कार्लो एक्यूटिस ने अपने गेमिंग का इस्तेमाल कैथोलिक धर्म का प्रचार करने के लिए किया और युवाओं को जोड़ने में अहम भूमिका निभाई। वह अपने फॉलोवर्स के बीच उन्हें गॉड इन्फ्लुएंसर के नाम से प्रसिद्ध थे।

एक्यूटिस की साल 2006 में 15 साल की उम्र में ल्यूकीमिया से मौत हो गई थी। कैथोलिक चर्च में संत के रूप में मान्यता प्राप्त करने में दशकों लग सकते हैं, लेकिन एक्यूटिस के मामले में चर्च ने तेजी दिखाई। एक्यूटिस ने दुनिया भर में बड़ी संख्या में अपने अनुयायी बनाए थे, जो आज भी बढ़ रहे हैं। मिलेनियल शब्द उस युवा पीढ़ी के लिए इस्तेमाल किया जाता है जिनका शुरुआती जन्म 1980 से शुरू होता है और 1990-2000 के बीच तक है। सरल शब्दों में समझें तो साल 1981 से 1996 के बीच पैदा हुए बच्चों को मिलेनियल कहा जाता है। कैथोलिक चर्च डिजिटल युग में युवा पीढ़ी के साथ जुड़ना चाहता है। ऐसे में अक्सर जींस और ट्रेनर में दिखाए जाने वाले एक्यूटिस की कहानी चर्च के लिए काफी मददगार साबित हुई है, क्योंकि वह कैथोलिक युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हैं। बता दे मई में एक्यूटिस द्वारा किए दूसरे चमत्कार को पोप फ्रांसिस ने मान्यता दी। इस फैसले ने एक्यूटिस के संत बनने का मार्ग प्रशस्त किया। इसके बाद अंतिम चरण में पोप संत बनने के पक्ष में मतदान की घोषणा की। विगत दिवस यह चरण पूरा हुआ जब वेटिकन ने ऐलान किया कि पोप ने आदेश दिया है कि कॉर्डिनल्स द्वारा 14 अन्य लोगों के साथ एक्यूटिस के संत बनने के पक्ष में मतदान करने के बाद संतत्व की घोषणा आगे बढ़ेगी।

हालांकि, एक्यूटिस के संत बनने की तिथि अभी तय नहीं की गई है, लेकिन 2025 में कैथोलिक चर्च के जयंती समारोह में इसका ऐलान करने की संभावना है। संत घोषित करने का समारोह पोप की अध्यक्षता में होगा। इसके वेटिकन सिटी के सेंट पीटर स्क्वायर में होने की उम्मीद है, जिसमें हजारों लोग शामिल होंगे। इस दौरान एक्यूटिस को औपचारिक रूप से संत घोषित किया जाएगा। संत बनने की घोषणा का मतलब होगा कि दुनिया भर में कैथोलिक चर्च अपने स्कूलों का नाम कार्लो एक्यूटिस के नाम पर रख सकते हैं और हर साल त्यौहार के दिन उन्हें याद रखें।

इजरायली फायर फाइटर लेबनान से दागे गये राकेट से लगी आग को बुझाने का प्रयास करते हुए।

पाकिस्तान में होंगे यूट्यूब, व्हाट्सऐप, फेसबुक, इंस्टाग्राम बैन!

-पंजाब सरकार ने मुहर्रम पर्व को लेकर लिया फैसला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब की सरकार ने मुहर्रम पर्व पर माहौल खराब करने वालों पर सख्ती करते हुए सोशल मीडिया यूट्यूब, व्हाट्सऐप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और टिकटॉक को 13 से 18 जुलाई तक बैन करने फैसला लिया है। इससे पहले पंजाब सरकार ने चार महीने से ज्यादा समय तक ट्विटर पर बैन लगाया दिया था। पंजाब सरकार की ओर से जारी एक अधिसूचना के मुताबिक सीएम मरियम नवाज की कानून एवं व्यवस्था संबंधी कैबिनेट समिति ने 12 करोड़ से ज्यादा की आबादी वाले पंजाब प्रांत में 13 से 18 जुलाई तक सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्म यूट्यूब, एक्स, व्हाट्सऐप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और टिकटॉक आदि पर बैन लगाने की सिफारिश की है, ताकि नफरत फैलाने वाली सामग्री और गलत सूचनाओं पर नियंत्रण किया जा सके और सांप्रदायिक हिंसा से बचा जा सके। मरियम के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ से अनुरोध किया है कि उनकी सरकार 13 से 18 जुलाई तक इंटरनेट पर सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्म को प्रतिबंधित करने की अधिसूचना जारी करें। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसीम मुनीर पहले ही सोशल मीडिया को दुष्ट मीडिया और डिजिटल आतंकवाद करार दे चुके हैं। उन्होंने इन सोशल मीडिया मंचों से लड़ने की जरुरत पर जोर दिया। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने भी हाल ही में सोशल मीडिया पर पूरी तरह से बैन लगाने की बात कही थी।

ऑस्ट्रिया की जमीन पर 41 सालों बाद भारतीय पीएम का कदम, जानें कब से शुरू होगा प्रधानमंत्री मोदी का दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी की आगामी रूस यात्रा के बारे में विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री 8-9 जुलाई को 22वें वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए रूसी संघ के राष्ट्रपति के निमंत्रण पर मास्को की आधिकारिक यात्रा करेंगे। अभी तक, प्रधानमंत्री का 8 जुलाई की दोपहर को मास्को पहुंचने का कार्यक्रम है। राष्ट्रपति पुतिन आगमन के दिन प्रधानमंत्री के लिए एक निजी रात्रिभोज का आयोजन करेंगे। अगले दिन, प्रधानमंत्री की बातचीत में रूस में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत शामिल होगी।

कार्यक्रम के तत्वों के हिस्से के रूप में प्रधानमंत्री क्रेमलिन में अज्ञात सैनिक की समाधि पर पुष्पांजलि भी अर्पित करेंगे और उसके बाद प्रधानमंत्री मास्को में प्रदर्शनी स्थल का दौरा करेंगे। इन मुलाकातों के बाद दोनों नेताओं के बीच एक प्रतिबंधित स्तर की बातचीत होगी, जिसके बादप्रधानमंत्री और रूसी राष्ट्रपति के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता होगी।

ऑस्ट्रिया के चांसलर के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री 9-10 जुलाई को ऑस्ट्रिया का दौरा करेंगे। यह प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की ऑस्ट्रिया की पहली यात्रा होगी। भारत से ऑस्ट्रिया की आखिरी प्रधानमंत्री यात्रा 40 साल से अधिक पहले हुई थी। प्रोग्रामिंग तत्वों के संदर्भ में प्रधानमंत्री अपने औपचारिक स्वागत के अलावा, ऑस्ट्रिया के राष्ट्रपति से भी मुलाकात करेंगे और

स्टार्मर को बधाई, देश से माफी, पत्नी-बेटी का जिक्र, ऋषि सुनक की फेयरवेल स्पीच की बड़ी बातें

लंदन (एजेंसी)। ऋषि सुनक ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के रूप में अपना आखिरी भाषण 10, डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर दिया। अपनी फेयरवेल स्पीच में सुनक ने कहा कि कई कठिन दिनों के अंत में यह एक कठिन दिन है। यह दुनिया का सबसे अच्छा देश है और यह पूरी तरह से आप, ब्रिटिशों का धन्यवाद है। मैंने आपके गुस्से और निराशा को महसूस किया है और मैं इस हार की जिम्मेदारी लेता हूं। सुनक ने अपने प्रतिद्वंद्वी कीर स्टार्मर को 'शालीन, जनहितैषी शख्स' बताया। सुनक ने कहा कि वह कंजर्वेटिव पार्टी के नेता के पद से इस्तीफा देंगे।

स्टार्मर को एक सभ्य, सार्वजनिक-उत्साही व्यक्ति% बताते हुए,सुनक ने कहा कि लेबर नेता और उनका परिवार ÷हमारी सबसे अच्छी समझ के पात्र हैं क्योंकि वे अपने नए जीवन में बड़ा परिवर्तन कर रहे हैं। उन्होंने अपने सहयोगियों, कैबिनेट और को भी धन्यवाद दिया। स्काई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सुनक ने कहा कि सबसे बढ़कर मैं अपनी पत्नी अक्षता और हमारी खूबसूरत बेटियों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूं। मैं उन्हें उन बलिदानों के लिए कभी भी पर्याप्त धन्यवाद नहीं दे सकता जो उन्होंने मेरे देश की सेवा करने के लिए किए हैं।

सुनक ने कहा कि इस परिणाम के बाद, मैं पार्टी नेता के रूप में पद छोड़ दूंगा, तुरंत नहीं, बल्कि मेरे उत्तराधिकारी के चयन की औपचारिक व्यवस्था हो जाने के बाद। यह महत्वपूर्ण है कि सरकार में 14 वर्षों के बाद, कंजर्वेटिव पार्टी का पुनर्निर्माण हो, लेकिन यह भी कि यह आगे बढ़े पेशेवर और प्रभावी ढंग से विपक्ष में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

इस साल अक्टूबर में होगी एससीओ समिट, पाकिस्तान करेगा मेजबानी

-पीएम नरेंद्र मोदी को भेजेगा निमंत्रण, नई रिश्तों की हो सकती है शुरुआत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने एससीओ समिट को लेकर कहा है कि वह अक्टूबर में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन की बैठक की मेजबानी करेगा और इसमें शामिल होने के लिए भारत समेत सभी सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों को आमंत्रित करेगा। अब सवाल यह है कि इस बैठक में भारत किसको भेजता है। बीते एक दशक से भारत-पाकिस्तान के बीच संबंध सामान्य नहीं हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान के तत्कालीन पीएम नवाज शरीफ के साथ अच्छे रिश्तों की पहल की थी। उन्हें शपथ ग्रहण समारोह में भी बुलाया था और फिर विदेश यात्रा से लौटते समय अचानक पाकिस्तान भी गए थे। यह मौका नवाज शरीफ के जन्मदिन का था। 2015 में उनका यह दौरा अहम था क्योंकि दस साल बाद कोई भारतीय पीएम पाकिस्तान पहुंचा था।

इसके बाद पठानकोट, उड़ी जैसे आतंकी हमले हुए और भारत ने पाकिस्तान को करारा जवाब देते हुए एयर स्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक की थी। इसके बाद से ही दोनों देशों के रिश्ते खराब चल रहे हैं और अब करीब नौ साल बीत चुके हैं। इस दौरान किसी भी भारतीय मंत्री या प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। हालांकि बीते साल बिलावल भुट्टो जरदारी गोवा आए थे, जब एससीओ देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक हुई थी। ऐसे में अब भारत की ओर से कौन इस बैठक में जाएगा इस पर सभी की नजरें लगी हुई हैं। पाक के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने कहा कि एससीओ शासनाध्यक्ष परिषद (सीएचजी) की अध्यक्षता के रूप में पाकिस्तान इस साल अक्टूबर में एससीओ बैठक की मेजबानी करेगा।

साढ़े 4 घंटे भारतीय उच्चायोग को घेरे रहे खालिस्तानी

टोरंटो (एजेंसी)। कनाडा में खालिस्तानी तत्व लगातार अतिवादी कदम उठा रहे हैं। कई बार भारतीय उच्चायोग के सामने धरना दे चुके खालिस्तानियों ने फिर से उत्पात मचाया। ओटावा में स्थित भारतीय उच्चायोग के सामने फिर से सिख्स फॉर जस्टिस नाम के खालिस्तानी संगठन के लोगों ने धरना दिया। इन लोगों ने करीब साढ़े 4 घंटों तक उच्चायोग को घेरे रखा। हालांकि इस दौरान कुछ भारत समर्थक भी वहां पहुंचे, जिनके हाथों में तिरंगे झंडे थे। ये लोग खालिस्तानियों का विरोध कर रहे थे। पिछले साल 18 जून को खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर की कनाडा के सरे में हत्या हो गई थी।

निज्जर के मारे जाने के बाद पहली बार 8 जुलाई, 2023 को प्रदर्शन हुआ था। खालिस्तानी कई बार भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों को घेर चुके हैं और एक बार झड़प की कोशिश भी की थी। हालांकि तब कनाडा के सुरक्षाकर्मियों के चलते बीच-बचाव कर लिया गया था। घटना के दौरान भारत ने सुरक्षा को लेकर चिंता जताकर कनाडा से सुरक्षा व्यवस्था देने की मांग की थी। इसकारण कनाडा ने सुरक्षा दी, लेकिन खालिस्तानियों पर रोक नहीं लगाई। गुरुवार को भारतीय उच्चायोग के सामने जुटे खालिस्तानियों ने भारत विरोधी नारे लगाए।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आंदोलन कर रहे खालिस्तानियों के चलते हमें कोई बाधा नहीं आई। बीते साल जुलाई से ही खालिस्तानी कनाडा में उग्र हैं। इन लोगों ने किल इंडिया नाम से कैंपेन भी चलाया था। इसके अलावा भारतीय अधिकारियों की आपत्तिजनक तस्वीरें भी उन्होंने लहराई थीं।

कनाडा में खालिस्तानियों को तब ज्यादा बढ़ावा मिला, जब पीएम जस्टिन ट्रूडो ने संसद में भारतीय एजेंट्स पर निज्जर की हत्या का आरोप लगाया। उन्होंने संसद में कहा था कि निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट्स का हाथ है।

देश पहले, पार्टी बाद में...10 डाउनिंग स्ट्रीट से कीर स्टार्मर ने अपने पहले भाषण में कहा- आज से ही शुरू कर रहे काम

लंदन (एजेंसी)। लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर महाराजा चार्ल्स तृतीय से मुलाकात के बाद आधिकारिक तौर पर ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री बने। नए प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ब्रिटेन के 58वें नेता के रूप में कार्यभार संभालने के लिए डाउनिंग स्ट्रीट पहुंचे। ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री के रूप में 10 डाउनिंग स्ट्रीट में कदम रखते हुए स्टार्मर ने कहा कि हमारा काम अत्यावश्यक है और हम इसे आज ही शुरू कर रहे हैं। मैं सम्मान और विनम्रता के साथ आप सभी को राष्ट्रीय नवीनीकरण के मिशन में इस सरकार में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता हूं।

स्टार्मर ने कहा कि आपने हमें स्पष्ट जनादेश दिया है और हम इसका उपयोग परिवर्तन लाने तथा अपने देश को एकजुट करने के लिए करेंगे। सार्वजनिक सेवा एक विशेषाधिकार है।चाहे आपने लेबर पार्टी को वोट दिया हो या नहीं, मेरी सरकार आपकी सेवा करेगी। स्टार्मर ने कहा कि देश ने बदलाव के लिए मतदान किया है और हमें साथ मिलकर आगे बढ़ने की जरूरत है। स्टार्मर ने ब्रिटेन के पहले ब्रिटिश एशियाई प्रधानमंत्री बनने के लिए ऋषि सुनक के अतिरिक्त प्रयास की सराहना की।

लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर शुक्रवार को बकिंघम पैलेस में महाराजा चार्ल्स तृतीय से मुलाकात

के बाद आधिकारिक रूप से ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री बन गए। ब्रिटेन के ऐतिहासिक आम चुनाव में उनकी पार्टी ने जीत हासिल की है। लेबर नेता स्टार्मर अपनी पत्नी विक्टोरिया स्टार्मर के साथ राजमहल पहुंचे। निवर्तमान नेता ऋषि सुनक ने चुनाव में अपनी हार स्वीकार कर ली है और उनकी कंजर्वेटिव पार्टी को इतिहास की सबसे बुरी चुनावी हार का सामना करना पड़ा है।

बुजुर्ग होती आबादी का ग्रीस ने निकाला समाधान, अपनाया हफ्ते में 6 दिन काम वाला मॉडल, मिलेगा 40प्र. ओवरटाइम

नई दिल्ली (एजेंसी)। अधिकांश लोगों के लिए सप्ताह में पाँच दिन काम करना काफी है। लेकिन छह दिन के वर्किंग वीक के बारे में क्या ख्याल है? दरअसल, ग्रीस ने इस सप्ताह एक नया रोजगार कानून बनाया है जिसमें सेक्स डे वर्किंग वीक का प्रवाधन किया गया है। ग्रीस की तरफ से ये कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब दर्जनों अन्य देश फोर डे वर्किंग जैसे प्रैक्टिस के प्रयोगों के पॉजिटिव रिजल्ट देख रहे हैं। आधिकारिक सरकारी राजपत्र के अनुसार, संसद द्वारा पिछली बार पारित कानून 5053/2023 में कहा गया कि एक कर्मचारी 8 घंटे से अधिक काम नहीं कर सकता है। कर्मचारी को छठे दिन के वेतन का 40त्न ओवरटाइम भुगतान किया जाएगा।

ग्रीस में कामगार इस बदलाव की तीखी आलोचना कर रहे हैं और कह रहे हैं कि जीवन-यापन के बढ़ते खर्च के युग में उन्हें आखिरी चीज की जरूरत है और वह है हर हफ्ते एक अतिरिक्त दिन काम करना। नई प्रणाली कर्मचारी को छठे दिन आना चाहिए या नहीं जैसे नियोक्ताओं को एकतरफा निर्णय लेने की अनुमति देती है। ग्रीक सार्वजनिक प्रसारक ईआरटीन्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार, यह उन नियमों को बरकरार रखता है जो छह-दिवसीय कार्य सप्ताह के विकल्प की अनुमति देते हैं, जिसमें कर्मचारी कुल 40 घंटे साप्ताहिक में 6.5 घंटे काम करते हैं।

6 दिन के काम पर शिफ्ट क्यों?

इसके पीछे सरकार कई कारण बता रही है। प्रधानमंत्री क्यारीकोस मित्सोटाकिस के प्रशासन का कहना है कि छह दिनों के काम को अनिवार्य बनाने इसलिए भी जरूरी था क्योंकि घटती आबादी और कुशल श्रमिकों की कमी के दोहरे खतरे का सामना करना पड़ रहा है। जून के अंत में श्रम मंत्रालय के एक संदेश के अनुसार, सरकार का यह भी कहना है कि छह-दिवसीय कार्यसप्ताह के बारे में औपचारिक नियम स्थापित करने से अघोषित काम की घटनाओं से निपटा जा सकेगा और कर्मचारियों की इनकम भी बढ़ेगी।

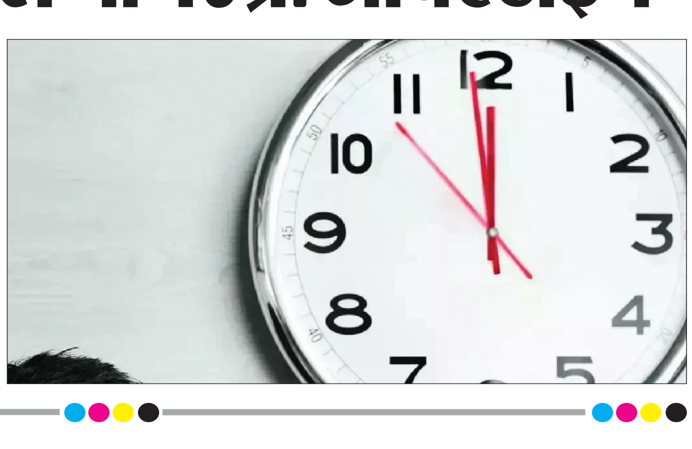

संपादकीय

पुलों का ढहना

बिहार में एक पखवाड़े के भीतर लगभग एक दर्जन छोटे-बड़े पुलों के ध्वस्त होने की घटना हैरान करने के साथ-साथ चिंतित करने वाली है। जैसी खबरें हैं, अकेले बुधवार, यानी 3 जुलाई को ही राज्य के विभिन्न हिस्सों में पांच पुल-पुलिया धराशायी हो गए। इनमें सिवान में छाड़ी नदी पर बने दो पुल शामिल हैं। जाहिर है, कई गांवों का आपस में सीधा संपर्क टूट गया है और मानसून के मौसम में उनकी परेशानियां बढ़ गई हैं। बरसात के मौसम में जर्जर ढांचों के गिरने की घटनाएं ज्यादा घटती हैं और इसीलिए सभी राज्यों में स्थानीय प्रशासन मानसून आने से पहले ही उनकी पहचान कर उनका इस्तेमाल प्रतिबंधित कर देता है। मगर पुल कोई रिहाइशी इमारत नहीं, जिसमें चंद परिवार या कुछ लोग रहते हों, और जिसे एहतियातन खाली करा लिया जाए। कोई भी पुल एक इलाके की हजारों जिंदगियों की अनिवार्यता है। वह भी तब, जब गांव-गांव में दोपहिया और कारों-ट्रैक्टरों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे में, पुलों की अहमियत कहीं ज्यादा बढ़ गई है। उच्च तकनीक और प्रौद्योगिकी के मौजूदा समय में भी प्रकृति के आगे किसी का जोर नहीं चलता। इसलिए किसी अप्रत्याशित तीव्रता वाली धारा के विध्वंस की बात तो फिर भी समझी जा सकती है, मगर छोटी नदियों और नहरों पर बनने वाले पुल भी यदि चंद वर्षों में या बनते ही धराशायी हो जाएं, तो इसको कुदरती कहर का नतीजा नहीं, आपराधिक मानवीय लापरवाही ही मानना चाहिए। बिहार में सिवान की जिस नदी पर दो पुलों के ढहने की घटना घटी है, वह मृत हो चुकी थी और उसे जल-जीवन हरियाली अभियान के तहत पुनर्जीवित किया गया था। निस्संदेह, इसके लिए राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन सराहना के पात्र हैं। आखिर इस नदी के जिंदा होने से हजारों एकड़ भूमि की सिंचाई को बल मिला है। मगर क्या उसी तंत्र को यह भी नहीं सुनिश्चित करना चाहिए था कि जो पुल जर्जर अवस्था में हैं, उनका विकल्प भी साथ-साथ तैयार किया जाए? यह मुमकिन है कि सीमित संसाधनों के कारण आज से तीन-चार दशक पहले जो पुल बने, वे उतने मजबूत नहीं हों, जो आज के यातायात दबाव को झेल सकें। मगर उनकी जगह मजबूत पुल बनाने की जिम्मेदारी या उन पुलों के रखरखाव का दायित्व भी सरकार का ही है। इन दिनों पूरे देश में हमारी सरकारों में कुछ बड़ा बनाने और बड़ा रचने की ऐसी होड़ मची है कि हाशिये की जरूरतें उनकी निगाहों से छूट जा रही हैं। मगर देश को विकसित राष्ट्र बनना है, तो उसे स्मार्ट सिटी के साथ-साथ गांवों को भी समृद्ध बनाना होगा। इसके लिए संसाधनों के बंटवारे में विवेकशील होना पड़ेगा। यदि पुल और पुलिया धनाभाव में उपेक्षित होते गए, तो तरक्की के सारे दावे बेमानी ठहरेंगे, क्योंकि मानसून तो हर साल सरकारी दावों की परीक्षा लेगा। सिर्फ बिहार में पुलों का यूं ढहते जाना ही चिंता की बात नहीं है, दूसरे तमाम राज्यों से भी चमचम सड़कों पर बनते गड्ढों और नए निर्माण के दरकने की खबरें लगभग रोजाना सुर्खियां बटोर रही हैं। इसलिए बेहतर होगा कि तमाम सार्वजनिक निर्माण में आधुनिक स्थापित मानकों की गारंटी सुनिश्चित की जाए और इसमें किसी किस्म की कोताही बरतने वाले की जिम्मेदारी तय हो। देश भर में तमाम पुराने पुलों की समीक्षा के साथ-साथ उनके रखरखाव या वैकल्पिक पुल के निर्माण को लेकर ठोस कदम उठाए जाएं।

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।

वृषभ आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

कर्क आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।

सिंह पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

पूंजीगत खर्चों में वृद्धि एवं मध्यवर्गीय परिवारों को राहत प्रदान की जानी चाहिए बजट में

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

जुलाई 2024 माह में शीघ्र ही केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पूर्णकालिक बजट पेश किया जाने वाला है। हाल ही में लोक सभा के लिए चुनाव भी सम्पन्न हुए हैं एवं भारतीय नागरिकों ने लगातार तीसरी बार एनडीए की अगुवाई में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को सत्ता की चाबी आगामी पांच वर्षों के लिए इस उम्मीद के साथ पुनः सौंप दी है कि आगे आने वाले पांच वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा देश में आर्थिक विकास को और अधिक गति देने के प्रयास जारी रखे जाएंगे। अब केंद्र सरकार में वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण शीघ्र ही केंद्रीय बजट पेश करने जा रही हैं।

पिछले लगातार दो वर्षों के बजट में पूंजीगत खर्चों की ओर इस सरकार का विशेष ध्यान रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7.50 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया गया था और वित्तीय वर्ष 2023-24 में इस राशि में 33 प्रतिशत की राशि की भारी भरकम वृद्धि करते हुए 10 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया गया था। हालांकि, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए भी 11.11 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में केवल 11 प्रतिशत ही अधिक है। इस राशि को यदि 33 प्रतिशत तक नहीं बढ़ाया जा सकता है तो इसे कम से कम 25 प्रतिशत की वृद्धि के साथ आगे बढ़ाने के प्रयास होना चाहिए अर्थात वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपए की राशि के स्थान पर 12.5 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया जाना चाहिए।

किसी भी देश की आर्थिक प्रगति को गति देने के लिए पूंजीगत खर्चों में वृद्धि होना बहुत आवश्यक है और फिर भारत ने तो वित्तीय वर्ष 2023-24 में 8 प्रतिशत से अधिक की आर्थिक विकास दर की रफ्तार को पकड़ा ही है। आर्थिक विकास की इस वृद्धि दर को बनाए रखने एवं इसे और अधिक आगे बढ़ाने के लिए पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करना ही चाहिए। आर्थिक विकास दर में तेजी के चलते देश में रोजगार के नए अवसर भी अधिक मात्रा में विकसित होते हैं। जिसकी वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारत को बहुत अधिक आवश्यकता भी है। भारत में पिछले 10 वर्षों के दौरान विकास की दर को तेज करने के चलते ही लगभग 25 करोड़ नागरिक गरीबी रेखा के ऊपर उठ पाए हैं एवं करोड़ों नागरिक मध्यवर्ग की श्रेणी में शामिल हुए हैं। अब भारत में गरीबी की दर 8.5 प्रतिशत रह गई है जो वित्तीय वर्ष 2011-12 में 21.1 प्रतिशत थी। गरीबी की रेखा से बाहर आए इन नागरिकों एवं मध्यवर्गीय नागरिकों ने देश में उत्पादों की मांग में वृद्धि करने में अहम भूमिका निभाई है। साथ ही, कर संग्रहण में भी इस वर्ग ने महती भूमिका अदा की है। आज प्रत्यक्ष कर संग्रहण लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता हुआ दिखाई दे रहा है तथा वस्तु एवं सेवा कर भी अब औसतन लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपए प्रतिमाह से अधिक की राशि के संग्रहण के साथ आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। साथ ही, भारतीय रिजर्व बैंक ने भी वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 2 लाख करोड़ से अधिक की राशि का लाभांश केंद्र सरकार को उपलब्ध कराया है तो सरकारी क्षेत्र के बैकों/उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित कर केंद्र सरकार को भारी भरकम राशि का लाभांश उपलब्ध कराया है, जबकि कुछ वर्ष पूर्व तक केंद्र सरकार को सरकारी क्षेत्र के बैंकों के घाटे की आपूर्ति हेतु इन बैंकों को बजट में से भारी भरकम राशि उपलब्ध करानी होती थी। कुल मिलाकर इस आमूल चूल परिवर्तन से केंद्र सरकार के बजटीय घाटे में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। केंद्र सरकार का बजटीय घाटा कोविड महामारी के दौरान 8 प्रतिशत से अधिक हो गया था जो अब वित्तीय वर्ष 2024-25 में घटकर 5.1 प्रतिशत तक नीचे आने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इस प्रकार, अब यह सिद्ध हो रहा है कि केंद्र सरकार ने न केवल अपने वित्तीय संसाधनों में वृद्धि करने में सफलता अर्जित की है बल्कि अपने खर्चों को भी नियंत्रित करने में सफलता पाई है।

पूंजीगत खर्चों में वृद्धि के साथ ही, केंद्र सरकार द्वारा अपने बजट में मध्यवर्गीय नागरिकों को आय कर की राशि में छूट देने का प्रयास भी वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में किया जाना चाहिए। क्योंकि, प्रत्यक्ष कर संग्रहण में हो रही भारी भरकम 25 प्रतिशत की वृद्धि इसी वर्ग के प्रयासों के चलते सम्भव हो पा रही है। वैसे, भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार भी नागरिकों/करदाताओं पर करों का बोझ केवल उतना ही होना चाहिए जितना एक मधुमक्खी किसी फूल से शहद लेती है। मध्यवर्गीय नागरिकों के हाथों में अधिक राशि पहुंचने का सीधा सीधा फायदा अर्थव्यवस्था को ही होता है। मध्यवर्गीय नागरिकों के हाथों में यदि खर्च करने के लिए अधिक राशि पहुंचती है तो वह विभिन्न उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देता है इससे इन उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज होती है और इन उत्पादों का उत्पादन बढ़ता है। उत्पादन बढ़ने से रोजगार के नए अवसर अर्थव्यवस्था में निर्मित होते हैं एवं कम्पनियों द्वारा विनिर्माण इकाईयों का विस्तार किया जाता है तथा निजी क्षेत्र में भी पूंजीगत निवेश बढ़ता है। कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था के चक्र को बढ़ावा मिलता है जो अंततः देश के कर संग्रहण में भी वृद्धि करने में सहायक होता है। मध्यवर्गीय परिवार के आय कर में कमी करने से बहुत सम्भव है कि भारत में औपचारिक अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिले। क्योंकि कई देशों में यह सिद्ध हो चुका है कि कर की राशि को कम रखने से औपचारिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है इससे कर की दर को कम करने के उपरांत भी कर संग्रहण में वृद्धि होते हुए देखी गई है। ऐसा कहा जाता है कि भारत में अभी भी अनऔपचारिक अर्थव्यवस्था औपचारिक अर्थव्यवस्था के करीब करीब बराबरी पर ही चलती हुए दिखाई देती है। हालांकि केंद्र सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था में आर्थिक व्यवहारों के भारी मात्रा में डिजिटलीकरण करने के उपरांत भारत की अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने में बहुत मदद मिली है और इसी के चलते ही वस्तु एवं सेवा कर का संग्रहण लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि प्रतिमाह के स्तर पर पहुंच सका है। अतः कुल मिलाकर देश में मध्यवर्गीय परिवारों की संख्या जितनी तेज गति से आगे बढ़ेगी देश का आर्थिक विकास भी उतनी ही तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई देगा। दरअसल, देश में कर संग्रहण में आकर्षक वृद्धि के बाद ही गरीब वर्ग की सहायता के लिए भी विभिन्न योजनाएं सफलता पूर्वक चलाई जा सकेंगी। अतः वित्तीय वर्ष 2024-25 का बजट मध्यवर्गीय परिवारों की संख्या में वृद्धि को ध्यान में रखकर ही बनाया जाना चाहिए। ऐसा कहा भी जाता है कि मध्यवर्गीय परिवार गरीब परिवारों को सहायता उपलब्ध कराने में सदैव आगे रहा है।

हाथरस हादसे में मौतों की जवाबदेही तय हो

(लेखक - ललित गर्ग)

उत्तर प्रदेश के हाथरस में मंगलवार को एक सत्संग के समापन के बाद मची भगदड़ में एक सौ इक्कीस लोगों के मरने एवं सैकड़ों लोगों के घायल होने की हृदयविदारक, दुःखद एवं दर्दनाक घटना ने पूरे देश को विचलित किया है। ऐसी घटनाएं न केवल प्रशासन की लापरवाही एवं गैर जिम्मेदारी को उजागर कर रही है बल्कि धर्म के नाम पर पनप रहे आडम्बर, अंधविश्वास एवं पाखण्ड को भी उजागर कर रही है। ऐसी त्रासदियां एवं दिल को दहलाने देने वाली घटनाओं से जुड़े पाखण्डी बाबाओं की कारगुजारियों से हिन्दू धर्म भी बदनाम हो रहा है, जबकि सैकड़ों लोगों की जान लेने वाले बाबा को हिंदू धर्म से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। यह हादसा अनेक सवालों को खड़ा करता है, बड़ा सवाल है कि ऐसे बड़े आयोजन में सुरक्षा उपायों की अनदेखी क्यों होती है? सवाल उठता है कि इतना बड़ा आयोजन बिना पुख्ता इंतजाम के किसकी अनुमति से किया जा रहा था? क्या सुरक्षा मानकों का पालन किया गया? क्या इतने बड़े आयोजन की सुरक्षा का जिम्मा पुलिस-प्रशासन का नहीं होता? क्या आयोजन-स्थल पर निकास द्वार, पानी, हवा, वैकल्पित चिकित्सा एवं चिकित्सक, गर्मी से बचने के पुख्ता इंजताम जरूरी नहीं थे? जवाबदेही तय हो भगदड़ में गयी जानों की। जाहिर है मौतों के बढ़ते आंकड़ों के साथ ही घटना पर लीपापोती की कोशिश भी जमकर होगी, राजनीतिक दल एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराते हुए जमकर राजनीति भी करेंगे। यह तय है कि ऐसे बाबाओं की दुकान बिना राजनेताओं के वरदहस्त के चलनी संभव नहीं है। हाथरस के सिकंदराराऊ के निकट फुलरई के एक खेत में कथित हरि बाबा के एक दिवसीय सत्संग के दौरान यह हादसा हुआ। इस बाबा से जुड़ी बातें विसंगतियों से भरी है। सफ़ेद कोट-पेंट, टाई पहनने वाला यह बाबा कोई पंडित नही है न साधु संत है, यह जूता पहनकर प्रवचन देता था। इस बाबा को कितने वेद पुराण का ज्ञान है? यह किस परंपरा से है? इसके गुरु कौन हैं? ऐसे अनेक प्रश्न है जो बाबा को शक एवं संदेह के घेरे में लेते हैं। इन्हें हिन्दू बाबा कैसे कहा जा सकता है? हिंदू धर्म में ऐसा कहां होता है? यह बाबा पहले पुलिस सेवा में थे और जिनका मैनपुरी में भव्य एवं महलनुमा आश्रम है। घटना के बाद बाबा फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। भारत में भोली-भाली जनता को ठगने एवं गुमराह करने वाले ऐसे पाखण्डी बाबाओं की बाढ़ आई हुई है। इस तरह की घटनाएं केवल जनहानि का कारण ही नहीं बनतीं, बल्कि देश एवं धर्म की बदनामी भी कराती हैं। इन घटनाओं पर पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के बजाए राजनीति करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है और निंदनीय भी।

हाथरस की घटना कितनी अधिक गंभीर एवं चिन्ताजनक हैं, इसका अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री ने लोकसभा में अपने संबोधन के बीच इस हादसे की जानकारी दी एवं शोक-संवेदना व्यक्त की। दुनिया भर में इस घटना को लेकर दुःख जताया जा रहा है। यह तय है कि हाथरस में इतनी अधिक संख्या में लोगों के मारे जाने पर शोक संवेदनाओं का तांता लगेगा, लेकिन क्या ऐसे हादसों को नियंत्रित करने वाले ऐसे कोई उपाय भी सुनिश्चित कर सकेंगे, जिससे भविष्य में देश को शर्मिंदा करने वाली ऐसी घटना न हो सके? प्रश्न यह भी है कि आखिर धार्मिक आयोजनों में धर्म-कर्म का उपदेश देने वाले लोगों को संयम और अनुशासन की सीख क्यों नहीं दे पाते? कब तक ऐसे आयोजन धन कमाने के माध्यम बनते रहेंगे, जब जब धर्म का ऐसे पाखण्ड एवं पाखण्डियों से गठबंधन हुआ है, तब तक धर्म अपने विशुद्ध स्थान से खिसका है। यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि कई बार ऐसे आयोजनों में भगदड़ का कारण लोगों का असंयमित व्यवहार भी बनता है। ऐसा लगता है कि अपने देश में धार्मिक-सामाजिक आयोजनों में कोई इसकी परवाह नहीं करता कि यदि भारी भीड़ के चलते अव्यवस्था फैल गई तो उसे कैसे संभाला जाएगा? क्या इसलिए कि प्रायः मारे जाने वाले लोग निर्धन एवं गरीब वर्ग के होते हैं? एक डरावनी एवं संवेदनहीन हकीकत है कि हम ऐसे धर्म एवं धार्मिकता से जुड़े पिछले हादसों से कोई सबक नहीं सीखते। हाल के दिनों में भीड़भाड़ वाले धार्मिक आयोजनों में भगदड़ में लोगों के मरने के मामले लगातार बढ़े हैं। सवाल उठना स्वाभाविक है कि भीड़ के बीच होने वाले हादसों को कैसे रोका जाए। दो साल पहले माता वैष्णो देवी परिसर में भगदड़ में बारह श्रद्धालुओं की मौत हुई थी। अप्रैल 23 में बनारस की भगदड़ में 24 लोग मरे थे। खाटू श्याम में भी भीड़ में दब कर 4 लोगों की मौत हुई। इंदौर में पिछले साल रामनवमी के दिन बावड़ी की छत गिरने से पैंतीस लोग मर गये थे। इसी तरह 2016 में केरल के कोल्लम के एक मंदिर में आग लगने से 108 लोगों की मौत हुई और दौ से अधिक घायल हुए थे। पंजाब के अमृतसर में दशहरे के मौके पर रावण दहन देख रहे साठ लोगों के ट्रेन से कुचलकर मरने की घटना को नहीं भूले हैं। देश में भीड़ की भगदड़ से होने वाले 70 फीसदी हादसे धार्मिक आयोजनों के दौरान ही होते हैं। हाल में दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक स्थल से जुड़ा हादसा मुसलमानों के पवित्र स्थल मक्का में हुआ, जहां हज यात्रियों पर गर्मी का सितम इस कदर कहर बना कि 900 से ज्यादा मौतें हुई, जिनमें 90 भारतीय ने भी जाने गंवाई।

विडम्बना है कि इन बड़े-बड़े हादसों से न तो जनता कुछ सीख लेती और न ही प्रशासन। यह हैरानी की बात है कि किसी ने यह देखने-समझने की कोई कोशिश नहीं की कि भारी भीड़ को संभालने की पर्याप्त व्यवस्था है या नहीं? यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि इस आयोजन की अनुमति देने वाले अधिकारियों ने भी कागजी खानापूर्ति करके कर्तव्य की इतिश्री कर ली। यदि ऐसा नहीं होता तो किसी ने इस पर अवश्य ध्यान दिया होता कि आयोजन स्थल के पास का गड्ढा लोगों की जान जोखिम में डाल सकता है। जैसे-जैसे जीवन में धर्म का पाखण्ड फैलता जा रहा है, सुरक्षा उतनी ही कम हो रही है, जैसे-जैसे प्रशासनिक सर्तकता की बात सुनाई देती है, वैसे-वैसे प्रशासनिक कोताही के सबूत सामने आते हैं, ऐसे आयोजनों में मरने वालों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन हर बड़ी दुर्घटना कुछ शोर-शराबें के बाद एक और नई दुर्घटना की बाट जोहने लगती है। सरकार और सरकारी विभाग जितनी तत्परता मुआवजा देने में और जांच समिति बनाने में दिखाते हैं, अगर सुरक्षा प्रबंधों में इतनी तत्परता दिखाएं तो ऐसे जघन्य हादसों की संख्या घट सकती है।

बहरहाल आने वाले दिनों में जांच के बाद किसी के सिर पर लापरवाही का ठीकरा फोड़ा जाएगा। मगर इन मौतों का कसूरवार कौन है? जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उनकी कमी कैसे पूरी होगी? कहा जा रहा है कि यह एक निजी कार्यक्रम था, कानून व्यवस्था के लिये प्रशासन की ड्यूटी लगाई गई थी, लेकिन आयोजन स्थल पर भीतरी व्यवस्था आयोजकों के द्वारा की जानी थी। अब बड़े अधिकारियों का घटना स्थल पर जाने का सिलसिला शुरू हो चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं। उनके तीन मंत्री पहले से वहां पहुंचे हुए है।

विचार मंथन

टोल टैक्स से राजनेताओं और ठेकेदारों को अरबों रुपए की अवैध कमाई

(लेखक-सनत जैन)

पिछले एक दशक से देश में बड़ी तेजी के साथ टोल मॉडल की सड़कें बनाई जा रही हैं। पीपीपी मॉडल में बन रही सड़कों पर टोल टैक्स लगाया जा रहा है। नियमों के अनुसार पुल और सड़क की लागत निकल जाने के पश्चात टोल नाके बंद हो जाने चाहिए। सरकार के नियमों में जब यह प्रावधान है। उसके बाद भी सरकार की मिली भगत से, जिस सड़क पर टोल टैक्स लग गया। उसकी लागत वसूल हो जाने के बाद भी टोल टैक्स वसूल किया जा रहा है। टोल टैक्स बढ़ाया भी जा रहा है। टोल टैक्स को लेकर लोगों में अब नाराजी देखने को मिल रही है। हाल ही में मध्य प्रदेश में भोपाल-देवास, जावरा-नयागांव, लेवड़-जावरा सड़क मार्ग की लागत से तीन से चार गुना ज्यादा टोल टैक्स की वसूली हो चुकी है। इसके बाद भी टोल टैक्स बंद नहीं किया गया है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से देवास के बीच बनी सड़क की लागत 426 करोड़ रुपए थी। अभी तक 1610 करोड़ 92 लाख रुपए की वसूली टोल टैक्स के माध्यम से की जा चुकी है। इसके बाद भी टैक्स की वसूली जारी है। हर महीने करोड़ों रुपए का फायदा ठेकेदार कंपनी को पहुंचाया जा रहा है। मध्य प्रदेश विधानसभा में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने विधायक प्रताप ग्रेवाल के प्रश्न के उत्तर में यह स्वीकार किया है। इसके बाद भी सरकार ने टोल टैक्स बंद करने की बात स्वीकार नहीं की। ठेकेदार कंपनी चार गुना टोल टैक्स की वसूली करने के बाद भी अगले 9 साल तक और वसूली करेगी। मध्य प्रदेश या देश की किसी एक सड़क का यह मामला नहीं है। लगभग सभी मार्गों में यही स्थिति देखने को मिल रही है। सड़क की लागत से कई गुना ज्यादा टोल टैक्स की वसूली हो जाने के बाद भी, टोल टैक्स जारी है। इस वसूली में नेताओं, सरकारी अधिकारियों और ठेकेदारों की मिली भगत से वाहन चालकों से खुलेआम डंडे और बैरियर के बल पर लूट हो रही है। पिछले 10 वर्षों से देश के सभी हिस्सों में बड़ी तेजी के साथ टोल सड़कों का निर्माण हुआ है। 100-50 किलोमीटर के बाद वाहन चालकों को टोल टैक्स देना पड़ रहा है। लगभग 2 रुपया किलोमीटर के हिसाब से वाहन चालकों से जबरिया टैक्स वसूल किया जा रहा है। टोल टैक्स नाके के जो ठेकेदार हैं, उनको राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। यह कहने में कोई संकोच नहीं हो रहा है, कि जो भी टोल नाके चल रहे हैं। उनमें कहीं ना कहीं राजनेताओं और बड़े अधिकारियों की हिस्सेदारी भी है। जिसके कारण नियम विरूद्ध ज़बरिया टैक्स वसूल किया जा रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकार के अधिकारियों द्वारा टोल रोड बनाने के लिए जो नियम हैं। उसमें समय-समय पर संशोधन करके इस तरह की अवैध वसूली नेताओं और अधिकारियों की मिली भगत से की जा रही है। केंद्र एवं राज्य सरकारें ठेकेदार द्वारा की जा रही, इस अवैध कमाई पर रोक लगाने के स्थान पर उनका संरक्षण करती नजर आती हैं। ठेकेदारों के पक्ष में खडे होकर वाहन चालकों से हर दिन करोड़ों रुपए की लूट करा रही हैं। मध्य प्रदेश विधानसभा में जो आंकड़े आए हैं। उनमें जो टोल रोड 2010 के आसपास बनाई गई थी। उनमें टैक्स के रूप में चार गुना से ज्यादा वसूली हो चुकी है। सरकार खुद इस बात को स्वीकार कर रही है। इसके बाद भी टोल नाकों पर टोल टैक्स की वसूली की जा रही है। कई मामले तो ऐसे भी सामने आए जिनमें सड़क की लागत मूल्य और टोल टैक्स का अनुबंध 30 जून 2007 को हुआ था। 5 माह के अंदर ही सड़क की लागत का 50 फीसदी टोल टैक्स से वसूल हो चुका था। उसके बाद भी कागजों में हेरा फेरी करके

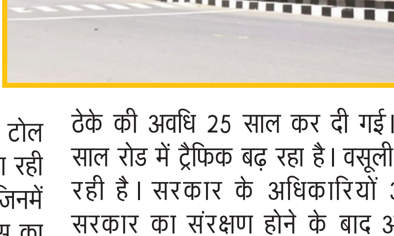

ठेके की अवधि 25 साल कर दी गई। हर साल रोड में ट्रैफिक बढ़ रहा है। वसूली बढ़ रही है। सरकार के अधिकारियों और सरकार का संरक्षण होने के बाद अवैध वसूली होती चली जा रही है। यह बिना सरकारी मिली भगत के संभव नहीं है। जनता जब तक स्वयं जागरूक नहीं होगी। इसी तरह से लूट का शिकार होती रहेगी।

भारत आएंगे फॉक्सकॉन के चेयरमैन यंग लियू

नई दिल्ली । ताइवान की इलेक्ट्रॉनिक कंपनी फॉक्सकॉन के चेयरमैन यंग लियू इस साल भारत का दौरान करने की योजना बना रहे हैं। लियू को चार जुलाई को ताइपे में पद्म भूषण पुरस्कार दिया गया। भारत ताइपे एसोसिएशन के महानिदेशक मनहरसिंह यादव ने उन्हें यह पुरस्कार दिया। इस वर्ष 75वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर उन्हें तीसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण से सम्मानित करने की घोषणा की गई थी। लियू ने बयान में कहा कि मैं यह पुरस्कार पाकर अभिभूत हूं। मैं कहना चाहता हूं कि मुझे उन सभी महिलाओं तथा पुरुषों की ओर से यह पुरस्कार स्वीकार करते हुए बेहद गर्व हो रहा है जो भारत में स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ाने में अपना योगदान दे रहे हैं। मैं इस वर्ष भारत में राष्ट्रपति से मिलने को उत्साहित हूं। वह पिछले साल जुलाई में सेमीकॉन इंडिया कॉन्क्लेव में हिस्सा लेने के लिए भारत आए थे। उस समय उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी। भारत में फॉक्सकॉन का कुल निवेश नौ से 10 अरब अमेरिकी डॉलर के आसपास होने का अनुमान है। कंपनी अपनी आईफोन उत्पादन सुविधा का विस्तार करने की प्रक्रिया में है। एचसीएल समूह के साथ संयुक्त उद्यम में एक चिप संयंत्र भी स्थापित कर रहे है।

कुमार मंगलम बिड़ला खरीद सकते हैं ओरिएंट सीमेंट का कारोबार

नई दिल्ली । भारत की सबसे बड़ी सीमेंट निर्माता कंपनी अल्ट्राटेक के मालिक कुमार मंगलम बिड़ला अब ओरिएंट सीमेंट को खरीदने की योजना बना रहे हैं। कहा जा रहा है कि कुमार मंगलम बिड़ला ओरिएंट सीमेंट को खरीदने के लिए कंपनी के प्रमोटर सीके बिड़ला के साथ अंतिम दौर की बातचीत कर रहे हैं। पिछले साल ओरिएंट सीमेंट को खरीदने के लिए इन दोनों कंपनियों के बीच चर्चा हुई थी, लेकिन तब यह सौदा सिरे नहीं चढ़ा था। गौरतलब है कि अडानी समूह के मालिक गौतम अडानी ने भी भारतीय सीमेंट बाजार में अपना दबदबा बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। पिछले साल अडानी ग्रुप ने अंबुजा और एसीसी सीमेंट को खरीदा था। इसके बाद अंबुजा सीमेंट ने गुजरात की सीमेंट कंपनी सांघी इंडस्ट्रीज में 54 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी थी। फिलहाल भारतीय बाजार में कुमार मंगलम बिड़ला की अल्ट्राटेक सबसे बड़ी कंपनी है। इसकी कुल उत्पादन क्षमता 152.7 एमपीटीए है। अडानी ग्रुप के भारतीय सीमेंट बाजार में उतरने के बाद से कुमार मंगलम बिड़ला ने भी कमर कस ली है और अडानी से दो-दो हाथ करने को तैयार है। इस साल की शुरुआत में अल्ट्राटेक ने 7,600 करोड़ में केसोराम के सीमेंट कारोबार का अधिग्रहण किया था। यहीं नहीं 27 जून को अल्ट्राटेक सीमेंट के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने इंडिया सीमेंट्स में 23 फीसदी की इक्विटी हिस्सेदारी के अधिग्रहण को मंजूरी दी थी। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में इसके बारे में जानकारी दी थी।

आरबीआई ने रद्द किया बनारस मर्केंटाइल सहकारी बैंक का लाइसेंस

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बनारस मर्केंटाइल सहकारी बैंक, वाराणसी का लाइसेंस रद्द कर दिया है। उत्तर प्रदेश के सहकारिता आयुक्त और सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार से भी बैंक को बंद करने और एक लिक्विडेटर नियुक्त करने का आदेश जारी करने का अनुरोध किया गया है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि बैंक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, 99.98 प्रतिशत जमाकर्ता जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से अपनी पूरी जमा राशि प्राप्त करने के हकदार हैं। परिसमापन पर प्रत्येक जमाकर्ता डीआईसीजीसी से अपनी जमाराशि पर पांच लाख रुपये तक की जमा बीमा दावा राशि प्राप्त करने का हकदार होगा। आरबीआई ने कहा कि सहकारी बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं हैं तथा इसका जारी रहना इसके जमाकर्ताओं के हितों में नहीं है। रिजर्व बैंक ने कहा कि अपनी वर्तमान वित्तीय स्थिति के कारण बैंक अपने जमाकर्ताओं को पूर्ण भुगतान करने में असमर्थ होगा।

जियो ने बंद किए गए सारे पुराने प्रीपेड प्लान

मुंबई । दूरसंचार कंपनियों ने अपने मोबाइल टैरिफ को 11 प्रतिशत से लेकर 25 प्रतिशत तक बढ़ा दिए हैं। वहीं अब जियो ने अपने सारे पुराने प्रीमेड प्लान बंद कर दिए हैं। जिससे अब जियो के 10 से ज्यादा प्लान्स नहीं मिलेंगे। बताया गया कि जियो ने अपने रिचार्ज पोर्टफोलियो को पूरी तरह से अपडेट कर दिया है। कंपनी ने सारे प्लान्स की कीमतों में इजाफा किया है। साथ ही ब्रांड ने बहुत से प्लान्स को अपनी लिस्ट से गायब कर दिया है। जियो के रिचार्ज लिस्ट में ऐसे 10 से ज्यादा प्लान्स हैं, जो अब नहीं मिल रहे हैं। यानी जियो ने कई ओटीटी प्रीपेड प्लान के साथ-साथ डेटा वाउचर भी हटा दिए हैं। इन प्लान्स की कीमतों में बढ़ोतरी भी नहीं हुई, इन्हें बस हटा दिया गया और इनके वापस आने की भी कोई गारंटी नहीं है। बता दें कि जियो ने 3662 रुपये, 3226 रुपये, 3225 रुपये के प्लान को रिमूव किया है। इन तीनों ही प्लान्स 365 दिनों की वैलिडिटी के साथ आते थे। इन प्लान्स में डेली 2.5 जीबी डेटा और 2 जीबी डेटा क्रमशः मिलता था। इनमें सोनी लिव और दूसरे ओटीटी प्लेटफॉर्म का एक्सेस मिलता था। इसके अलावा कंपनी ने 2999 रुपये के

प्लान की कीमत बढ़ाकर 3599 रुपये कर दी है। जियो ने 84 दिनों की वैलिडिटी वाला 909 रुपये का प्लान हटा दिया है। इनके अतिरिक्त 806 रुपये और 805 रुपये के दो प्लान्स को हटा दिया है, जो डेली 2जीबी डेटा और 84 दिनों की वैलिडिटी के साथ आते है। साथ ही कंपनी ने 3178 रुपये, 4498 रुपये और 3227 रुपये के प्लान्स को हटा दिया है, जो 365 दिनों की वैलिडिटी के साथ आते थे।

रुपया 5 पैसे बढ़कर 83.45 डॉलर पर

मुंबई । रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में पांच पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.45 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी मुद्रा के अपने उच्च स्तर से नीचे आने और विदेशी पूंजी प्रवाह से स्थानीय मुद्रा को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.48 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.45 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.50 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 105 पर रहा।

कल्याण ज्वैलर्स का राजस्व 27 प्रतिशत बढ़ा, विस्तार की योजना

नई दिल्ली । कल्याण ज्वैलर्स का वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में राजस्व सालाना आधार पर 27 फीसदी बढ़ गया है। भारतीय और पश्चिम एशिया बाजारों में मजबूत प्रदर्शन इसकी मुख्य वजह रही। कंपनी का वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में राजस्व 4,376 करोड़ रुपये था। कल्याण ज्वैलर्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत में उसके परिचालन में 29 प्रतिशत की राजस्व वृद्धि देखी गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में बिक्री में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। पश्चिम एशिया परिचालन से राजस्व में 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसने एकीकृत राजस्व में 15 प्रतिशत का योगदान दिया। कंपनी के अनुसार इस साल अप्रैल-जून की अवधि में भारत में 13 नए फ्रेंचाइजी-स्वामित्व-कंपनी-संचालित (एफओसीओ) शोरूम खोले गए, जबकि डिजिटल मंच कैनडेयर ने 13 प्रतिशत राजस्व वृद्धि दर्ज की। कंपनी ने कहा कि वह अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के बाद अपने कैनडेयर कारोबार को पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी में बदलने की योजना बना रही है। कल्याण ज्वैलर्स का लक्ष्य वित्त वर्ष 2024-25 में 130 से अधिक नए शोरूम शुरू करना है, जिसमें भारत में कल्याण के करीब 40 शोरूम, कैनडेयर के करीब 30 शोरूम और दिवाली तक अमेरिका में पहला शोरूम खोलना शामिल है।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुम्बई । घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिलेजुले संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों के शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आयी है। इसी के साथ ही बाजार में पिछले दिनों से जारी तेजी पर अंकुश लग गया। आज एचडीएफसी बैंक, टाइटन, टाटा स्टील और एमएंडएम के शेयरों में बिकवाली के कारण बाजार गिरावट पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई मानक सूचकांक सेंसेक्स 53.07 अंक करीब 0.07 फीसदी नीचे आकर 79,996.60 अंक पर बंद हुआ।

वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी में भी 21.70 अंक तकरीबन 0.09 फीसदी की हल्की बढ़त रही और अंत में ये 24,323.85 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। रिलायंस, एसबीआई, एनटीपीसी, एचयूएल और एलएंडटी सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। इसके अलावा, नेस्ले इंडिया, पावर ग्रिड, आईटीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील, सन फार्मा, कोटक बैंक,

बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, एक्सिस, मारुति, टेक महिंद्रा और आईसीसीआई बैंक के शेयरों में भी बढ़त रही।

वहीं दूसरी ओर 13 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये है। इसमें एचडीएफसी बैंक, टाइटन, टाटा स्टील, एमएंडएम और इंडसइंड बैंक जैसे शेयर रहे जबकि अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा मोटर्स, एचसीएल टेक, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, टीसीएस, अदाणी पोर्ट्स और इंफोसिस के शेयर नीचे आये।

विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 25.67 अरब डॉलर के शेयर खरीदे और घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 23.75 अरब डॉलर के शेयर बेचे। वहीं गत कारोबारी दिवस बेंचमार्क सेंसेक्स पहली बार 80 हजार के लेवल के पार बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। बीएसई सेंसेक्स 461 अंक फिसलकर 79,587 अंक पर आ गया, जबकि निफ्टी50 सूचकांक 0.27 प्रतिशत गिरकर 24,236 अंक पर पहुंच गया!

वहीं एशिया-प्रशांत बाजारों में ज्यादातर सकारात्मक रुझान नजर आया। जापान के प्रमुख सूचकांक निक्केई 225 ने शुरुआती कारोबार में 0.24 फीसदी की बढ़त के रखी। व्यापक टॉपिक्स इंडेक्स में मामूली 0.07 फीसदी की गिरावट आई। अमेरिका में 4 जुलाई को स्वतंत्रता दिवस के कारण बाजार बंद थे।

बारिश के मौसम में कार कंपनियां दे रहीं तरह-तरह के ऑफर

- छूट, एक्सचेंज बोनस और फ्री गिफ्ट भी शामिल

नई दिल्ली । बारिश का मौसम शुरू होते ही गाड़ियों की बिक्री बढ़ाने के लिए कार कंपनियां और डीलर्स तरह-तरह के ऑफर दे रही हैं, जिनमें छूट, एक्सचेंज बोनस और फ्री गिफ्ट शामिल हैं। आमतौर पर मानसून के दौरान शुभ दिन कम होते हैं और मौसम भी खराब रहता है, जिसकी वजह से गाड़ियों की बिक्री कम हो जाती है। इसीलिए, कंपनियां बिक्री बढ़ाने के लिए ग्राहकों को लुभाने वाले ऑफर देती हैं।इस बार मानसून आने से पहले देशभर के शोरूम पर अलग-अलग गाड़ियों पर 20,000 रुपए से लेकर 4 लाख रुपए तक की छूट दी जा रही है। ये छूट पिछले साल के मानसून के मुकाबले ज्यादा हैं, क्योंकि कंपनियों के पास पहले से ज्यादा गाड़ियां स्टॉक में हैं और गर्मी की वजह से लोग कम शोरूम जा रहे हैं। फाडा के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि इस साल पिछले साल के मुकाबले ज्यादा छूट मिल रही है क्योंकि कंपनियों के पास ज्यादा गाड़ियां जमा हो गई हैं। यानी कि गाड़ियां बनाने वाली कंपनियां ही नहीं बल्कि डीलर्स भी अपना स्टॉक खत्म करने के लिए ऑफर दे रहे हैं। पिछले साल गाड़ियों की कमी थी और लोगों को गाड़ी लेने के लिए इंतजार करना पड़ता था, लेकिन अब ज्यादातर मॉडल और वेरिएंट आसानी से मिल रहे हैं। इस वजह से ग्राहकों को काफी ज्यादा डिस्काउंट मिल रहा है। मारुति सुजुकी की गाड़ियों पर भी अच्छी छूट मिल रही है, जैसे अल्टो के 10 पर 40,000 रुपए, एस-प्रेसो और वेगनआर पर 25,000 से 30,000 रुपए तक और स्वीफ्ट पर 15,000 से 20,000 रुपए तक की छूट मिल रही है। होंडा ने भी होंडा मैजिकल मानसून नाम से एक

खास ऑफर शुरू किया है, जिसमें उनकी सभी गाड़ियों पर फायदे और फ्री गिफ्ट दिए जा रहे हैं। जुलाई 2024 में गाड़ी खरीदने वाले ग्राहकों को स्विट्जरलैंड घूमने का मौका या 75,000 रुपए तक के इनाम मिल सकते हैं।

टेस्ट ड्राइव करने पर भी सरप्राइज गिफ्ट मिल रहे हैं। ये ऑफर 1 जुलाई से 31 जुलाई तक मान्य हैं। टाटा की भी कई गाड़ियों पर 15,000 रुपये से लेकर 65,000 रुपए तक की छूट है। वहीं हुंडई के वाहनों पर भी डिस्काउंट मिल रहे हैं।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र का कर्ज वितरण अप्रैल-जून में 19 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में कर्ज वितरण 19 फीसदी बढ़कर 2.09 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने शेयर बाजार को यह जानकारी दी है। 30 जून, 2023 के अंत तक बकाया ऋण 1.75 लाख करोड़ रुपए था। बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने बताया कि उसकी कुल जमा सालाना आधार पर 9.44 प्रतिशत बढ़कर 2.67 लाख करोड़ रुपए हो गई है। यह पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में 2.44 लाख करोड़ रुपए थी। समीक्षाधीन तिमाही में बैंक की कुल जमा में चालू खाते और बचत खाते (कासा) का हिस्सा घटकर 49.86 प्रतिशत रह गया है। यह पिछले साल समान अवधि में 50.97 प्रतिशत था। बैंक का 30 जून 2024 के अंत तक ऋण जमा अनुपात बढ़कर 78.18 प्रतिशत हो गया, जबकि एक वर्ष पहले इसी अवधि में यह 71.89 प्रतिशत था।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र
Bank of Maharashtra
भारत सरकार का उद्यम

जून में सात फीसदी गिरी यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री: फाडा

नई दिल्ली। जून में सालाना आधार पर भारत में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री में सात प्रतिशत की गिरावट आई। भीषण गर्मी के कारण शोरूम में आने वाले लोगों की संख्या में 15 प्रतिशत गिरावट इसकी बड़ी वजह बताई जा रही है। उद्योग निकाय फाडा ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कुल यात्री वाहन पंजीकरण पिछले महीने 2,81,566 इकाई रहा, जबकि जून 2023 में यह 3,02,000 इकाई था। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मांग को प्रोत्साहित करने के मकसद से बेहतर उत्पाद उपलब्धता तथा पर्याप्त छूट के बावजूद भीषण गर्मी के कारण ग्राहकों की संख्या में 15 प्रतिशत गिरावट आई और मानसून में देरी के कारण बाजार की धारणा सुस्त बनी हुई है। उन्होंने कहा कि डीलरों के अनुसार ग्राहकों के वाहनों के बारे में कम जानकारी हासिल करने और खरीद निर्णय में देरी जैसी चुनौतियों का उन्होंने सामना किया। उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन में अभी कुछ समय बाकी है, इसलिए यात्री वाहन मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) के लिए सावधानी बरतना महत्वपूर्ण है।

जून में दोपहिया वाहनों का पंजीकरण सालाना आधार पर पांच प्रतिशत बढ़कर 13,75,889

इकाई हो गया। मानसून में देरी और चुनाव से संबंधित बाजार मंदी ने विशेष रूप से ग्रामीण बिक्री को प्रभावित किया, जो मई में 59.8 प्रतिशत से गिरकर जून में 58.6 प्रतिशत पर आ गई। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री पिछले महीने पांच प्रतिशत घटकर 72,747 इकाई रह गई, जो जून 2023 में 76,364 इकाई थी। जून में ट्रैक्टर की बिक्री सालाना आधार पर 28 प्रतिशत घटकर 71,029 इकाई हो गई। तिपहिया वाहनों का पंजीकरण जून में पांच प्रतिशत बढ़कर 94,321 इकाई हो गया, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 89,743 इकाई था। कुल खुदरा बिक्री जून में सालाना आधार पर मामूली बढ़कर 18,95,552 इकाई हो गई।

मांग में कमी की वजह से जोमेटो ने बंद किया एक्सट्रीमी ऐप

नई दिल्ली । जोमेटो ने मांग कम आने की वजह से अपना हाइपरलोकल डिलीवरी ऐप एक्सट्रीमी बंद कर दिया है। अच्छी शुरुआत के बावजूद एक्सट्रीमी उतना लोकप्रिय नहीं हो सका। इसलिए जोमेटो ने इस ऐप को गूगल प्ले स्टोर से हटा दिया है। जोमेटो ने आधिकारिक रूप से इस बारे में कुछ नहीं कहा है, लेकिन कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि एक्सट्रीमी एक प्रयोग था। कई रेस्टोरेंट सीधे डिलीवरी पर भी जोमेटो जैसी ही बेहतरीन सेवा देना चाहते थे। इसी सोच के साथ एक्सट्रीमी को शुरू किया गया था। लेकिन यह हमेशा से एक प्रयोग था और इसके सफल या असफल होने का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता था। जब जोमेटो हाइपरलोकल डिलीवरी मार्केट में कूदने की कोशिश कर रहा था, उस वक्त उसके प्रतिद्वंद्वियों को भी कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। रिलायंस रिटेल समर्थित दुनजो को अपने कामकाज को सुचारू रूप से चलाने में दिक्कतें आ रही थीं। इसी मौके का फायदा उठाकर सॉफ्टबैंक समर्थित ओला ने बेंगलुरु में अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटरों की मदद से ओला पार्सल सर्विस शुरू कर दी। जोमेटो ने अपनी इंटरसिटी फूड डिलीवरी सर्विस लीजेंड को फिर से शुरू कर दिया है। ये अब तक की तीसरी कोशिश है। लीजेंड के ज़रिए आप चुनिंदा शहरों के फेमस रेस्टोरेंट्स से खाना सीधे अपने घर मंगा सकते हैं। पहले के लीजेंड से

ये नया वर्जन अलग है। पहले पैक्ड खाना स्टोर करके रखा जाता था, फिर उसे डिलिवरी किया जाता था। अब खाना सीधे रेस्टोरेंट से ही भेजा जाएगा। हालांकि, अब इसे से कम 5,000 का ऑर्डर देना ज़रूरी होगा।

एफएसएसएआई ने 111 मसाला उत्पादकों पर लगाया प्रतिबंध

- एमडीएच और एवेरेस्ट को हरी झंडी, 4000 सैंपल की चल रही जांच

नई दिल्ली । भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने सुरक्षा जांच के लिए विभिन्न शहरों में मसालों के नमूने एकत्र करना शुरू किया। हाल ही में आई रिपोर्ट के अनुसार पिछले महीने 111 मसाला उत्पादकों के लाइसेंस रद्द किये गए हैं और उन्हें तुरंत उत्पादन बंद करने का निर्देश दिया गया है। खबरों के मुताबिक एफएसएसएआई देश भर में मसालों के 4,000 से ज्यादा सैंपल का परीक्षण कर रहा है और संभावना है कि कुछ और कंपनियों के उत्पादों में मिलावट सामने आ सकती है। इन सैंपल में एवेरेस्ट, एमडीएच, कैच और बादशाह जैसे प्रसिद्ध ब्रांडों के उत्पाद शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार नियामक संस्था ने 2,200 नमूनों का परीक्षण किया, जिनमें से 111 मसाला उत्पाद बुनियादी मानकों को पास नहीं कर पाए। ऐसे मसाला निर्माताओं का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है और उत्पादन बंद कर दिया गया है। यह बताया गया है कि एफएसएसएआई के तहत परीक्षण केंद्रों की संख्या कम है और इसलिए उन कंपनियों की सूची तैयार करने में समय लग रहा है जिनके लाइसेंस रद्द करने की आवश्यकता है। अधिकारियों के अनुसार रद्द किए गए लाइसेंसों में से अधिकांश केरल और तमिलनाडु के छोटे मसाला निर्माताओं के हैं, साथ ही गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश ब्रांड भी जांच के दायरे में हैं। इन 111 कंपनियों में से अधिकांश छोटी हैं और उनसे संपर्क नहीं किया जा सका क्योंकि उनके पास आधिकारिक वेबसाइट, संपर्क नंबर या ईमेल आईडी नहीं हैं। मई के महीने में एफएसएसएआई ने एमडीएच और एवरेस्ट के सैंपल की जांच की और उसमें एथिलीन ऑक्साइड नहीं पाया गया। जांच में एवरेस्ट और एमडीएच मसालों के 34 सैंपल शामिल थे, जिनमें से 9 महाराष्ट्र और गुजरात में एवरेस्ट की सुविधाओं से और 25 दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान में एमडीएच की सुविधाओं से लिए गए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक परीक्षणों में नमी की मात्रा, इंसेक्ट और रोडेंट कंटेमिनेशन, हैवी मेटल, एफ्लाटॉक्सिन और कीटनाशक अवशेष सहित कई पैरामीटर भी शामिल थे।

माइक्रोसॉफ्ट ने की छंटनी, कर्मचारियों की संख्या का नहीं किया खुलासा

- अब तक कंपनी ने लगभग 100,000 कर्मचारियों को निकाला

वाशिंगटन । टेक दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट ने इस सप्ताह एक और छंटनी की पुष्टि की है। एक रिपोर्ट के अनुसार ये छंटनी कंपनी के विभिन्न टीमों और स्थानों को प्रभावित करेगी। हालांकि, माइक्रोसॉफ्ट ने इस ताजा छंटनी में प्रभावित कर्मचारियों की संख्या का खुलासा नहीं किया है। रिपोर्ट में लिंक्डइन पर सोशल मीडिया पोस्ट का हवाला दिया गया है, जिसमें संकेत मिलता है कि छंटनी का असर प्रोडक्ट और प्रोग्राम मैनेजमेंट विभागों पर पड़ा है। माइक्रोसॉफ्ट के प्रवक्ता ने छंटनी की पुष्टि की। प्रवक्ता ने कहा कि हमारे व्यवसाय को चलाने के लिए संगठन और कार्यबल में बदलाव जरूरी होते हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम अपने भविष्य के लिए और ग्राहकों एवं पार्टनर्स के समर्थन के लिए महत्वपूर्ण वृद्धि क्षेत्रों में निवेश करना जारी रखेंगे। माइक्रोसॉफ्ट ने अपना वित्तीय वर्ष 30 जून को समाप्त किया और इस दौरान

पुनर्गठन प्रयास टेक दिग्गज के लिए असामान्य नहीं हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने 2023 में भी ऐसा ही किया था। ताज़ा छंटनी 2024 में पहले हुई कटौती के बाद हुई है। साल की शुरुआत में माइक्रोसॉफ्ट ने अपने गेमिंग डिवीजन में लगभग 2,000 नौकरियों में कटौती की थी। पिछले महीने, एक और छंटनी दौर में एज़ुरे क्लाउड यूनिट और होलोलेंस मिक्स्ड-रियलिटी टीम सहित लगभग 1,000 पदों पर असर पड़ा था। पिछले 18 महीनों में माइक्रोसॉफ्ट ने हजारों कर्मचारियों को निकाला है। ये छंटनी टेक इंडस्ट्री में चल रही व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा रही है। बताया जाता है कि अब तक लगभग 100,000 कर्मचारियों को टेक कंपनियों ने निकाला है। 2023 में टेक कंपनियों द्वारा निकाले गए कर्मचारियों की संख्या लगभग 260,000 थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वर्ल्ड चैंपियन खिलाड़ियों से मुलाकात के लिए महाराष्ट्र विधानसभा का निमंत्रण, रोहित शर्मा समेत चार खिलाड़ी शामिल

मुम्बई (एजेंसी)। बेरिल तूफान की वजह से तीन दिन बाद आखिरकार स्वदेश लौट आई है। गुरुवार, 4 जून को भारतीय टीम दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंची। भारतीय टीम के टी20 वर्ल्ड कप जीतने की खुशी में महाराष्ट्र विधानसभा टीम के चार खिलाड़ियों को शुक्रवार को सम्मानित करेगी। गुरुवार को स्वदेश पहुंची विश्व विजेता इंडियन टीम का भव्य स्वागत किया गया ।राज्य विधानमंडल के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने गुरुवार को सदन में कहा कि टी20 वर्ल्ड कप क्रिकेट टीम में भाग लेने वाले मुंबई के चार खिलाड़ियों को शुक्रवार को मुंबई के महाराष्ट्र विधान भवन परिसर में सम्मानित किया जाएगा। स्पीकर नार्वेकर के अनुसार, शहर के खिलाड़ियों को शुक्रवार दोपहर विधान भवन में सम्मानित किया जाएगा ।मुंबई के मूल निवासी रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे और यशस्वी जायसवाल भारत की टी-20 विश्व कप टीम का हिस्सा थे। एएनआई के अनुसार शिवसेना विधायक प्रताप सरनाइक ने गुरुवार को मुंबई के खिलाड़ियों को सम्मानित किए जाने के मामले को उठाया। इसके बाद विधानमंडनल के अध्यक्ष ने खिलाड़ियों को न्यौता भेजने की बात कही ।गौरतलब हो कि भारत ने 11 साल बाद कोई आईसीसी ट्रॉफी जीती है। साल 2013 में आखिरी बार भारतीय टीम ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की थी। वहीं, भारतीय टीम ने 17 साल बाद दूसरी बार आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी अपने नाम की है।

बुमराह, रोहित, मंधाना प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए नामांकित

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह , कप्तान रोहित शर्मा और अफगानिस्तान के बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज के अलावा भारतीय महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना , इंग्लैंड की मैया बाउचिर और श्रीलंका की विशमी गुणरत्ने को अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टी-20 विश्वकप टूर्नामेंट के लिए जून माह के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामांकित किया है ।बुमराह ने टी-20 विश्वकप टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए 15 विकेट लिए थे। उन्हें इस प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब भी दिया गया है। वहीं रोहित ने टी-20 विश्वकप के आठ मैच में 156.70 स्ट्राइक रेट से नाबाद 257 रन बनाए थे। उन्होंने तीन अर्धशतक भी बनाए थे। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 92 रन रहा था ।इसके अलावा आफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज ने टी-20 विश्वकप में 35.12 की औसत और 124.33 के स्ट्राइक रेट से कुल 281 रन बनाए। वहीं महिला वर्ग की बात करें तो मंधाना ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 210 बनाकर दोहरा शतक लगाया था। गुणरत्ने और और बाउचिर ने भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया था।

रोहित को देखकर भावुक हुई मां

डॉक्टर का अपाइंटमेंट छोड़कर पहुंचीं थीं स्टेडिमय

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा की मां विश्वकप ट्रॉफी के साथ अपने बेटे को देखकर भावुक हो गयी। रोहित की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को स्वदेश लौटी। बारबाडोस में आये भयंकर तूफान के कारण टीम तीन दिनों तक वहीं फंसी हुई थी ।विशेष विमान से टीम के मुंबई पहुंचने पर रोहित भी अपने माता-पिता से मिले। इस दौरान भावुक हुई मां ने रोहित को बार-बार चूमा और गले लगाया। इससे पहले हवाई अड्डे पर विश्व चैंपियंस का स्वागत करने के लिए एकत्र हुए प्रशंसकों ने पूरी टीम का जोरदार स्वागत किया। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से भी खिलाड़ियों ने मुलाकात की। इसके बाद मुम्बई में एक खुली बस से विजय परेड निकली गयी। अंत में वानखेड़े स्टेडियम में सम्मान समारोह हुआ। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की मां भी स्टेडियम में पहुंची थीं वह डॉक्टर से इलाज के लिए अपना अपाइंटमेंट छोड़कर रोहित को देखने आई थी ।रोहित शर्मा की मां पूर्णिमा ने कहा, मैंने कभी ये नहीं सोचा था कि मैं एक दिन ये दिन भी देखूंगी। रोहित ने टी20 विश्व कप से पहले हमसे बात की थी और उसने कहा था कि वो टी20 क्रिकेट छोड़ देना चाहता है लेकिन मैंने उससे बस इतना कहा कि जीतने की कोशिश करो। मेरा डॉक्टर से आज अपाइंटमेंट था क्योंकि मेरी तबियत खराब थी। इसके बावजूद मैं आई क्योंकि मैं इसे सामने से देखना चाहती थी। मैं सच में अपनी खुशी जाहिर नहीं कर सकती। वहीं विश्व कप जीत के बाद रोहित की मां ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर भी जारी की थी। इसमें विराट कोहली और रोहित शर्मा एक साथ दिखाई दे रहे थे। रोहित ने विश्वकप में भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कुशल कप्तानी करते हुए कठिन हालातों में भी टीम का मनोबल बढ़ाया।

श्रीलंकाई लीग में छाये शादाब

मुम्बई (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2024 में असफल रहे पाकिस्तानी स्पिनर शादाब खान आजकल श्रीलंकाई प्रीमियर लीग में कोलंबो स्ट्राइकर्स की ओर से खेल रहे हैं। शादाब ने यहां अच्छी गेंदबाजी करते हुए एक हैट्रिक भी अपने नाम की है और टीम को जीत दिलायी। लंका प्रीमियर लीग के तहत कोलंबो स्टाइकर्स और कैंडी फाल्कन्स के बीच हुए मुकाबले में शादाब खान ने हैट्रिक लेकर कैंडी टीम की कमर ही तोड़ दी। इसके बाद कैंडी को इस मैच में 51 रनों से हार का सामना करना पड़ा। शादाब ने इस मैच में 4 ओवर में 22 रन देकर 4 विकेट लिए ।वहीं शादाब ने इसके बाद गैले मार्वल्स के खिलाफ हुए मुकाबले में भी अपनी टीम की ओर से 4 विकेट लिए। उस मुकाबले में हालांकि वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। इस मैच में कप्तान डिकवेला ने 18 गेंदों पर 50, सहान ने 27 गेंदों पर 35 तो इसरु उडाना ने 34 गेंदों पर 52 रन बनाकर स्कोर 179 तक पहुंचाया था। वहीं कोलंबो की ओर से शादाब ने 4 ओवर में 21 रन देकर 4 विकेट लिए पर उनकी टीम के बल्लेबाजी लक्ष्य का पीछा करते हुए 172 रन ही बना पाये और उसे हार का सामना करना पड़ा।

पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज चैंपियंस को 29 रन से हराया

मुम्बई (एजेंसी)। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स लीग 2024 के चौथे मैच में पाकिस्तान चैंपियंस ने वेस्टइंडीज चैंपियंस को 29 रन से धूल चटा दी। शोएब मलिक की अर्धशतकीय पारी के बाद शाहिद अफरीदी और सोहेल तनवीर की घातक गेदबाजी के आगे वेस्टइंडीज की पारी बिखर गई। वेस्टइंडीज चैंपियंस के कप्तान क्रिस गेल का बल्ला नहीं चला, हालांकि ड्वेन स्मिथ ने अर्दशतकीय पारी खेली ।पाकिस्तान चैंपियंस टीम के कप्तान यूनिस खान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पाकिस्तान ने 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 194 रन का स्कोर बनाया। पाकिस्तान की तरफ से मध्यक्रम के बल्लेबाज शोएब मलिक ने 41 गेंद पर 54 रन की पारी खेली। अपनी पारी के दौरान मलिक ने एक छक्का और 5 चौके लगाए। इसके अलावा सरजील खान ने 35 रन, शान मसूद 22 रन और आमेर यामीन ने नाबाद 29 रन की पारी खेली। सलामी बल्लेबाजी कामरान अकमल ने 5 रन जबकि कप्तान यूनिस खान ने मात्र 2 रन का योगदान दिया। शाहिद अफरीदी 10 गेंद पर 16 रन बनाकर आउट हुए। वेस्टइंडीज चैंपियंस की तरफ से एश्ले नर्स ने सर्वाधिक तीन विकेट लिए ।पाकिस्तान के 194 रन के लक्ष्य का पीछा करते समय वेस्टइंडीज की पारी पाक की घातक गेंदबाजी के आगे बिखर गई। 20 ओवर में 9 विकेट पर 165 रन ही बना पाई और उसे 29 रन से हार का सामना करना पड़ा। ड्वेन स्मिथ ने 46 गेंद पर 2 छक्के और 8 चौकों की मदद से 65 रन की पारी खेली। कप्तान क्रिस गेल इस मैच में सिर्फ 2 रन बनाकर आउट हो गए। जोनाथन कार्टर ने 34 रन का योगदान दिया।

जिम्बाब्वे के खिलाफ भारतीय टीम के खिलाड़ियों ने जमकर अभ्यास किया

हरारे (एजेंसी)।

कप्तान शुभमन गिल सहित भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 6 जुलाई से शुरु होने वाली टी20 सीरीज को देखते हुए जमकर नेट अभ्यास किया है। भारतीय टीम को इस सीरीज में पांच मैच खेलने हैं। टीम में अधिकतर युवा खिलाड़ी शामिल हैं क्योंकि टी20 विश्वकप टीम में शामिल अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार सभी मैच हरारे में खेले जाएंगे। इस दौरे में पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण मुख्य कोच की भूमिका निभाएंगे। टीम में तीन नए खिलाड़ियों साई सुदर्शन, जितेश शर्मा और हर्षित राणा को संजू सैमसन, शिवम दुबे और यशस्वी जायसवाल की जगह शामिल किया गया है।

ऐसे में इस सीरीज में शामिल युवाओं के पास बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करने का अवसर है।

भारतीय टीम इस दौरे में पांच मैच 6 जुलाई , 7 जुलाई , 10 जुलाई , 13 जुलाई और 14 जुलाई को खेलेगी। ये सभी मैच हरारे में होंगे।

टीम इस प्रकार है

शुभमन गिल (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा, रिंकू सिंह, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रियान पराग, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, अवेश खान, खलील अहमद, मुकेश कुमार, तुषार देशपांडे, साई सुदर्शन , जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हर्षित राणा।

जिम्बाब्वे की ओर से डेब्यू करेंगे कमर्शियल पायलट लाइसेंस धारी अंतुम

भारत के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे की टीम में शामिल बल्लेबाज अंतुम नकवी के माता पिता पाकिस्तानी मूल के हैं। वहीं अंतुम कर जन्म बेल्जियम में हुआ है। अब वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने को तैयार है।

अंतुम ने ऑस्ट्रेलिया में कमर्शियल एयरलाइन पायलट का लाइसेंस हासिल किया पर क्रिकेटर बनने उन्होंने विमानन क्षेत्र में काम करने की जगह जिम्बाब्वे का रुख किया।दाएं हाथ के बल्लेबाज अंतुम ने इस साल से ही काफी अच्छा खेलते हुए तिहरा शतक लगाया था। वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले जिम्बाब्वे के पहले खिलाड़ी हैं। इस युवा ने मिड वेस्ट राइनो के लिए लोगन कप में नाबाद 300 रन बनाये थे। वह शीर्ष क्रम के बल्लेबाज हैं और घरेलू मैचों में उनका स्ट्राइक रेट 146.80 का रहा है। अंतुम ने अब तक 10 फर्स्ट क्लास मैचों में 72 के औसत से 792 रन बनाए हैं। नाबाद 300 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनके नाम 4 शतक भी हैं। लिस्ट ए के 8 मैचों में 3 शतक और एक अर्धशतक के साथ ही उनके नाम 514 रन हैं।

शुभमन की कप्तानी में जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

4.30 बजे से शुरु होगा जिम्बाब्वे से मुकाबला

हरारे (एजेंसी)। शुभमन गिल की कप्तानी में युवा खिलाड़ियों से भारी भारतीय क्रिकेट टीम शनिवार को यहां मेजबान जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टी20 क्रिकेट मुकाबले में जीत से शुरुआत करने उतरेगी। भारतीय टीम में शामिल युवा खिलाड़ियों के पास इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करने का अवसर रहेगा। भारतीय टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ इस दौरे में पांच मैचों की सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे शुभमन गिल ने कहा है कि टी20 विश्वकप में टीम की जीत से हमारा भी मनोबल बढ़ा है। ऐसे में युवा टीम में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। इस दौरे में युवा अभिषेक शर्मा, रियान पराग जैसे खिलाड़ियों पर सभी की नजरें रहेंगी।इस दौरे में शुभमन की कप्तानी कौशल की भी परीक्षा होगी। पारी की शुरुआत का अवसर रूतुराज गायकवाड़ को मिलना तय हैं। वहीं अभिषेक अगर पारी की शुरूआत करते हैं तो गायकवाड़ तीसरे नंबर पर उतर सकते हैं।

पराग चौथे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। वहीं आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह पांचवें नंबर पर उतरेंगे। वहीं छठे नंबर पर विकेटकीपर जितेश शर्मा या ध्रुव जुरेल में से जिसे अवसर मिलता है उतरेंगे। गेंदबाजी की कमान आवेश खान और खलील अहमद और मुकेश कुमार के पास रहेगी। स्पिनर के तौर पर रवि बिश्नोई और वॉशिंगटन सुंदर को अवसर मिलेगा।वहीं दूसरी ओर जिम्बाब्वे की बात करें तो वह भारत से काफी कमजोर है पर इस दौरे में भारतीय टीम को मेजबान टीम के सिकंदर रजा से सावधान रहना होगा। रजा को आईपीएल में खेलने के कारण भारतीय खिलाड़ियों के खेलने का तरीका पता है। इसके अलावा वेलिंगटन मसाकाजा , टेंडाइ चतारा जैसे खिलाड़ियों पर भी अंकुश लगाना होगा। कुल मिलाकर देखा जाये तो भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :-

भारत :- शुभमन गिल (कप्तान), रूतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा, रिंकू सिंह, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, आवेश खान, खलील अहमद, मुकेश कुमार, तुषार देशपांडे, साइ सुदर्शन, जितेश शर्मा, हर्षित राणा।

जिम्बाब्वे :- सिकंदर रजा (कप्तान), फराज अकरम, ब्रायन बेनेट, जोनाथन कैंपबेल, टेंडाइ चतारा, ल्यूक जोंगवे, इनोसेंट केइया , क्लाइव एम, वेसली मेदेवेरे, टी मारूमानी, वेलिंगटन मसाकाजा, ब्रेंडन मावुता, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डियोन मायर्स, एंटम नकवी, रिचर्ड एंगारावा, मिल्टन शुम्बा।

प्रधानमंत्री ने पेरिस ओलंपिक के लिए रवाना वाले खिलाड़ियों को दी शुभकामनायें

नीरज से बोले, तेरी मां के हाथ का चूरमा खाना है

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस ओलंपिक के लिए रवाना होने वाले भारतीय खिलाड़ियों के दल से मुलाकात कर उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों से कहा कि वे हार-जीत की चिंता किये बिना अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करें। पेरिस ओलंपिक खेल 26 जुलाई से शुरू हो रहे है और इसमें भारतीय खिलाड़ियों को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। ओलंपिक के लिए रवाना होने वाले अधिकतर खिलाड़ी गुरुवार शाम को प्रधानमंत्री आवास पहुंचे थे पर नीरज चोपड़ा सहित कुछ खिलाड़ियों ने विदेश में प्रशिक्षण के कारण वीडियो कॉल से ही उनसे बात की।

नीरज से बात करते हुए प्रधानमंत्री ने उन्हें शुभकामनाएं देते कहा, 'मुझे तेरी मां के हाथ का चूरमा खाना है।

' प्रधानमंत्री ने सभी खिलाड़ियों से कहा कि खेल के जरूरी है कि अच्छी नींद लें। इसलिए बिना किसी दबाव के आप सब लोग अच्छी नींद लीजिए। हो सकता है कि आपको लगे कि प्रधानमंत्री सोने को कह रहे हैं पर ऐसा सोचने की जरूरत नहीं है।

मेडिकल साइंस भी अच्छी नींद लेने की बात कहता रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, ' आप सब ओलंपियन हैं। ओलंपिक में हिस्सा लेना ही काफी बड़ी बात है पदक मिले तो अच्छा है नहीं मिले तो भी परेशान न हों। केवल अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर ध्यान दें। मैं प्रयास करूंगा कि इस बार 15 अगस्त को लालकिले के स्वतंत्रता दिवस समारोह में आप भी मौजूद रहें.'

प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों से इस दौरान खेलो इंडिया के बारे में भी बात की। उन्होंने पूछा कि आप में से कितने लोग खेलो इंडिया से निकलकर खिलाड़ी बने हैं। इस पर कई खिलाड़ियों ने हाथ उठाए तो पीएम बोले, अच्छा काफी लोग हैं. इसके जवाब में मनु भाकर ने भी बताया, 'मुझे भी खेलो इंडिया से ही यहां तक पहुंचने में सहायता मिली है। प्रधानमत्री कार्यालय ने इस मुलाकात का वीडियो शुक्रवार सुबह जारी किया है।

सूर्यकमार ने कहा , रोहित ने हमें दबाव में शांत बने रहकर खेलना सिखाया

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव टी20 विश्वकप टूर्नामेंट में मिली खिताबी जीत से बेहद उत्साहित हैं। ट्रॉफी हाथ में लिए हुए सूर्यकुमार ने कप्तान रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने हमें दबाव का सामना करना सिखाया है। सूर्यकुमार ने कहा कि उन्होंने हम सभी को सिखाया है कि दबाव में कैसे शांत रहना है। वह स्वयं भी हमेशा शांत बने रहे। उन्होंने हमसे कहा कि हम ज्यादा आगे के बारे में न सोचें। हमारा एक आदर्श वाक्य भी था- अपना दिमाग वहीं रखें जहां आपके पैर हैं। रोहित ने हमें कहा कि सुपर 8 या सेमीफाइनल या फाइनल के बारे में नहीं सोचना चाहिए पर मैच को उसके अनुसार खेलना चाहिये। हमें एक समय में एक कदम उठाने की जरूरत थी और उन्होंने हमें दिखाया कि इस छोटे प्रारूप में कैसे बल्लेबाजी करनी है।

चेपॉक में गेंदबाजों का होगा राज या रनों का लगेगा अंबार?

भारत और साउथ अफ्रीका महिला टीम के बीच पहली टी20 मैच चेपॉक में खेला जाएगा। एमए चिदंबरम स्टेडियम में भारतीय समायनुसार शाम 7 बजे मुकाबला खेला जाएगा। भारतीय टीम ने इससे पहले वनडे सीरीज और एकमात्र टेस्ट मैच में साउथ अफ्रीका को हरा चुकी है।

इस सीरीज से पहले भारतीय महिला टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में 5-0 से क्लीन स्वीप किया था। वहीं, दूसरी तरफ साउथ अफ्रीका ने श्रीलंका के खिलाफ अपनी टी20ढ्ढ सीरीज 2-1 से गंवाई है। भारत टी20ढ्ढ सीरीज को भी जीतने के इरादे से उतरेगा।

एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले जाने वाले मैच में पिच हमेशा ही गेंदबाजों मददगार साबित हुई है। इस पिच पर स्पिनर्स का रोल अहम होता है। तकनीकी रूप से सक्षम बल्लेबाज इस पिच पर खूब रन बना सकते हैं। यहां आखिरी बार 2016 में इंग्लैंड और पाकिस्तान महिला टीम के बीच टी20ढ्ढ मैच खेला था। कुल 228 रन बने थे और 15 विकेट गिरे थे।

टी20 सीरीज के लिए दोनों टीमों के स्काड

भारतीय महिला टीम- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, दयालन हेमलता, उमा छेत्री (विकेट कीपर), ऋचा घोष (विकेट कीपर), जेमिमा रोड्रिग्स , सजाना सजीवन, दीप्ति शर्मा, श्रेयंका पाटिल, राधा यादव, अमनजोत कौर, आशा शोभना, पूजा वस्त्रकार, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी दक्षिण अफ्रीका की टीम- लौरा वोलवार्ड (कप्तान), एनेके बॉश, ताजमिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्कसेन, मिके डी रिडर, सिनालो जाफ्ता, मेरिजेन कैप, अयाबोंगा खाका, मसाबाटा क्लास, सुने लुस, एलिज-मारी मार्क्स, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुखुने, क्लो ट्रायोन।

वानखेड़े में रोहित शर्मा और विराट कोहली के डांस ने बनाया माहौल

मुंबई के वानखेड़े में कुछ अलग ही नज़ारे देखने को मिल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय टीम ने वैसे हर जगह ही माहौल जमाया, लेकिन मुंबई के वानखेड़े में कुछ अलग ही नज़ारे देखने को मिले. मुंबई की मरीन ड्राइव पर हुई विक्ट्री परेड के बाद वानखेड़े स्टेडियम में टीम इंडिया के लिए सम्मानित समारोह का आयोजन हुआ. इस आयोजन में कई ऐतिहासिक पल देखने को मिले, जैसे टीम इंडिया को क्चष्टष्ठ ने अब तक की सबसे बड़ी 125 करोड़ रुपये की प्राइज़ मनी दी. इसके अलावा वानखेड़े में कुछ मस्ती भरे पल भी दिखाई दिए, जिसमें विराट कोहली और रोहित शर्मा समेत पूरी टीम शामिल रही.

मस्ती भरे पलों की एक वीडियो बीसीसीआई की तरफ से शेयर की गई, जिसमें रोहित शर्मा और विराट कोहली अपने डांस से माहौल बनाते हुए दिख रहे हैं. वीडियो में देखा जा सकता है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा पूरी टीम के साथ मैदान का चक्कर लगा रहे होते हैं. इस दौरान ढोल बजने शुरू हो जाते हैं. ढोल की आवाज़ सुनते ही विराट कोहली और रोहित शर्मा नाचना शुरू कर देते हैं. दोनों को देखकर टीम के बाकी खिलाड़ियों के भी पैर थिरकने शुरू हो जाते हैं.

पूरी टीम इसी तरह अपने पैरों को थिरकाते हुए आगे बढ़ती है. सभी खिलाड़ियों के डांस में एक अलग एनर्जी देखने को मिली. हालांकि खिलाड़ी इससे पहले काफी लंबा सफर करके आए थे लेकिन फिर भी किसी के चेहरे पर थकान नहीं दिख रही थी.

डांस को आगे बढ़ता देख हार्दिक पांड्या और सूर्यकुमार यादव में अलग जोश आ गया.

दोनों ही खिलाड़ी जमकर नाचे. इतना ही टीम के सपोर्ट स्टाफ के मेंबर भी इस डांस में बराबरी का हिस्सा ले रहे थे. जश्न मनाने के बाद लंदन के लिए रवाना हुए विराट कोहलीबता दें कि विराट कोहली विक्ट्री परेड और वानखेड़े स्टेडियम में हुए जश्न के बाद लंदन के लिए रवाना हो गए. मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो किंग कोहली अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा और बच्चों से मिलने के लिए लंदन रवाना हुए.

आज की आवश्यकता

सब्जी बगीचा

अच्छे स्वास्थ्य के लिए दैनिक आहार में संतुलित पोषण का होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। फल एवं सब्जियाँ इसी संतुलन को बनाए रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते है क्योंकि ये विटामिन, खनिज लवण तथा कार्बोज के अच्छे स्रोत होते हैं। फिर भी ये जरुरी हैं कि इन फल एवं सब्जियों की नियमित उपलब्धता बनी रहे. इसके लिए घर के पिछवाडें मे पडी जमीन पर खेती करना बहुत ही लाभदायक उपाय हैं। पोषाहार विशेषज्ञों के अनुसार संतुलित भोजन के लिए एक वयस्क व्यक्ति को प्रतिदिन 85 ग्राम फल और 300 ग्राम साग–सब्जियों का सेवन करना चाहिए। परन्तु हमारे देश में साग–सब्जियों का वर्त्तमान उत्पादन स्तर प्रतिदिन, प्रतिव्यक्ति की खपत के हिसाब से मात्र 120 ग्राम है।

सब्जी बगीचा

- उपलब्ध स्वच्छ जल के साथ रसोईघर एवं स्नानघर से निकले पानी का उपयोग कर घर के पिछ्वाड़े में उपयोगी साग-सब्जी उगाने की योजना बना सकते हैं।
- एकत्रित अनुपयोगी जल का निष्पादन हो सकेगा और उससे होने वाले प्रदूषण से भी मुक्ति मिल जाएगी।
- सीमित क्षेत्र में साग-सब्जी उगाने से घरेलू आवश्यकता की पूर्ति भी हो सकेगी।
- सब्जी उत्पादन में रासायनिक पदार्थों का उपयोग करने की जरूरत भी नहीं होगी।

अतः यह एक सुरक्षित पद्धति है तथा उत्पादित साग-सब्जी कीटनाशक दवाईयों से भी मुक्त होंगी।

सब्जी बगीचा के लिए स्थल

सब्जी बगीचा के लिए स्थल घर का पिछ्वाड़ा ही होता है जिसे हम लोग बाड़ी भी कहते हैं। यह सुविधाजनक स्थान होता है क्योद्धक परिवार के सदस्य्‍ खाली समय में साग-सब्जियों पर ध्यान दे सकते हैं तथा रसोईघर व स्नानघर से निकले पानी आसानी से सब्जी की क्यारी की ओर घुमाया जा सकता है। सब्जी बगीचा का आकार भूमि की उपलब्धता और व्यक्तियों की संखया पर निर्भर करता है। चार या पाँच व्यक्ति वाले औसत परिवार के लिए 1/20 एकड़ जमीन पर की गई सब्जी की खेती पर्याप्त हो सकती है।

पौधा लगाने के लिए खेत तैयार करना

सर्वप्रथम 30-40 सेंमी की गहराई तक कुदाली या हल की सहायता से जुताई करें। खेत से पत्थर, झाड़ियों एवं बेकार के खर-पतवार को हटा दें। खेत में अच्छे ढंग से निर्मित 100 कि.ग्राम कृमि खाद चारों ओर फैला दें। आवश्यकता के अनुसार 45 सेंमी या 60 सेंमी की दूरी पर मेड़ या क्यारी बनाएँ।

सब्जी बीज की बुआई और पौध रोपण

सीधे बुआई की जाने वाली सब्जी जैसे -भिंडी, पालक एवं लोबिया आदि की बुआई मेड़ या क्यारी बनाकर की जा सकती है। दो पौधे 30 सेंमी की दूरी पर लगाई जानी चाहिए। प्याज, पुदीना एवं धनिया को खेत के मेड़ पर उगाया जा सकता है।प्रतिरोपित फसल, जैसे - टमाटर, बैगन और मिर्ची आदि को एक महीना पूर्व में नर्सरी बेड या टूटे मटके में उगाया जा सकता है। बुआई के बाद मिट्टी से ढ़ककर उसके ऊपर 2सब्जी बगीचा का मुखय उद्देश्य अधिकतम लाभ प्राप्त करना है तथा वर्ष भर घरेलू साग-सब्जी की आवश्यकता की पूर्ति करना है। बगीचा के एक छोर पर बारहमासी पौधों को उगाया जाना चाहिए जिससे इनकी छाया अन्य फसलों पर न पड़े तथा अन्य साग-सब्जी फसलों को पोषण दे सकें। बगीचा के चारों ओर तथा आने-जाने के रास्ते का उपयोग विभिन्न अल्पावधि हरी साग-सब्जी जैसे - धनिया, पालक, मेथी,पुदीना आदि उगाने के लिए किया जा सकता है।

50 ग्राम नीम के फली का पाउडर बनाकर छिड़काव किया जाता है ताकि इसे चीटियों से बचाया जा सके। टमाटर,गोभी, बैगन, मिर्ची के लिए 25-30 दिनों की बुआई के बाद तथा प्याज के लिए 40-45 दिनों के बाद पौधे को नर्सरी से निकाल दिया जाता है।टमाटर, बैंगन और मिर्ची को 30-45 सेंमी की दूरी पर मेड़ या उससे सटाकर रोपाई की जाती है। प्याज के लिए मेड़ के दोनों ओर रोपाई की जाती है। रोपण के बाद पौधों की सिंचाई की जाती है।

फसल चक्र

वर्षा, शरद और ग्रीष्म की फसलें तालिका में बतलाए अनुसार लेना चाहिए -

वर्ष भर उगाने के लिए फसल चक्र

खरीफ	रबी	जायद	खरीफ	रबी	जायद
पालक	मिर्च	ककडी	बैंगन	मूली	भण्डी
तरोई	लहसून	छप्पन कद्दू	लोबिया	आलू	कद्दू
टमाटर	मैथी	तरबूज	मूली	प्याज	धनिया
टिण्डा	मटर	टमाटर	प्याज	पालक	करेला
भिण्डी	पत्तागोभी	करेला	भिण्डी	मूली	तरोई
लौकी	आलू	खरबूज	धनिया	फूलगोभी	लौकी
फूलगोभी	धनिया	प्याज	पुदीना	पुदीना	पुदीना
मिर्च	बाकला	टिण्डा	केला	केला	केला
ग्वार	बैंगन	बैंगन	नींबू	नींबू	नींबू
मिर्च	गाजर	पालक	पपीता	पपीता	पपीता

उत्तर भारत में खरीफ मौसम में प्याज की खेती

उत्तरी भारत में प्याज रबी की फसल है यहां प्याज का भंडारण अक्टूबर माह के बाद तक करना सम्भव नही है क्योकि कंद अंकुरित हो जाते हैं।

इस अवधि(अक्टूबर से अप्रैल) में उत्तर भारत में प्याज की उपलब्ध्ता कम होने तथा परिवहन खर्चे के कारण दाम बढ जाते हैं। इसके समाधान के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने उत्तर भारत के मैदानो में खरीफ में भी प्याज की खेती के लिए एन-53(ह्-53) तथा एग्रीफाउंड डार्क रैड नामक प्याज की किस्मों का विकास किया है।

प्याज की किस्म - एन-53(आई.ए.आर.आई.); एग्रीफाउंड डार्क रैड (एन.एच.आर.डी.एफ.)

बीज बुआई समय - मई अंत से जून

रोपाई का समय - मध्य अगस्त

कटाई - दिसम्बर से जनवरी

पैदावार - 150 से 200 क्विंटल/हैक्टेयर

अरहर में रोग प्रबंधन

अरहर खरीफ की मुख्य दलहनी फसल है । दलहनी फसलों में चना के बाद अरहर का स्थान है। अरहर अंतर फसल एवं बीच के फसल के रूप में उगाई जाती है, अरहर ज्वार, बाजरा, उर्द एवं कपास के साथ बोई जाती है ।अन्य फलों की तरह अरहर में भी रोग का प्रकोप होता है जिनमें से कुछ रोगों के संक्षिप्त विवरण एवं प्रबंधन नीचे दर्शाया गया है ।

उकठा रोग (विल्ट)

यह रोग फ्यूजेरियम नामक कवक से होता है । इस रोग में पौधा पीला पड़कर सुख जाता है । फसल में फूल एवं फल लगने की अवस्था में एवं बारिश के बाद इस रोग का प्रकोप अधिक होता है । रोग ग्रसित पौधों की जडें सड़कर गहरे रंग की हो जाती हैं तथा छाल हटाने पर जड़ से लेकर तने तक काले रंग की धारियां पाई जाती हैं । एक ही खेत में कई वर्षों तक अरहर की फसल लेने पर इस रोग की उग्रता बढती है ।

उकठा रोग (विल्ट)

प्रबंधन –

- जिस खेत में रोग का प्रकोप अधिक हो वहां 3-4 साल तक अरहर की फसल न लें ।
- खेतों की ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें ।
- ज्वार के साथ अरहर की फसल लेने से रोग की तीव्रता में कमी की जा सकती है।
- कवक नाशी जैसे बेनोमील 50त्न + थायरम 50त्न के मिश्रण का तीन ग्राम प्रति किलो बीज की डर से उपचारित करें ।
- ट्राइकोडर्मा 4 ग्राम/किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करके बोएं ।
- रोग रोधी किस्में आशा, राजीव लोचन, सी -11 आदि का उपयोग बुआई हेतु करें ।

अरहर का बाँझ रोग –

यह रोग विषाणु जनित है जिसका वाहक एरियोफिड माईट है जो की एक प्रकार का सूक्ष्म जीव है। इस रोग की अधिकता के कारण 75% तक उत्पादन में कमी देखी गयी है । रोग से ग्रसित पौधे पीलापन लिए हुए झाड़ीनुमा हो जाते हैं । पत्तियों के आकार में कमी, शाखाओं की संख्या में वृद्धि तथा पौधों में आंशिक या पूर्ण रूप से फूलों का नहीं आना इस रोग के प्रमुख लक्षण हैं। फूल नहीं आने से फल नहीं लगते इसलिए इस रोग को बाँझ रोग कहते हैं । फसल पकने की अवस्था में रोगी पौधे लम्बे समय तक हरे दिखाई देते हैं जबकि स्वस्थ पौधे परिपक्व होकर सूखने लगते हैं ।

अरहर का बाँझ रोग –

प्रबंधन–

- जिस खेत में अरहर लगाना हो उसके आसपास अरहर के पुराने एवं स्वयं उगे हुए पौधे नष्ट कर देना चाहिए।
- खेत में जैसे ही रोगी पौधे दिखे उनको उखाड़कर नष्ट कर देना चाहिए।
- फसल चक्र अपनाना चाहिए।
- रोग रोधी प्रजातियाँ जैसे– पूसा-9, आई.सी.पी.एल.-87119, राजीव लोचन, एम.ए.-3, 6, शरद आदि का चयन करना चाहिए।
- फयूराडान 3 जी., की 3 ग्राम मात्रा प्रति किलो बीज की डर से उपचारित करना चाहिए एवं फसल की प्रारंभिक अवस्था में कैल्थेन (1 मिली./ली. पानी) का छिडकाव रोगवाहक माईट के रोकथाम में प्रभावी होता है ।

तना अंगमारी रोग (स्टेम ब्लाइट)–

यह रोह कवक के द्वारा होता है। इसका प्रकोप । दिन से लेकर एक माह के पौधों में दिखाई देता है । शीघ्र पकने वाली किस्मों में इस रोग का प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक होता है । प्रभावित पौधों की पत्तियों पर पनीले धब्बे बन जाते हैं एवं एक सप्ताह के भीतर पूरी पत्तियां जलकर नष्ट हो जाते हैं । साथ ही तने एवं शाखाओं पर धब्बे गोलाई में बढ़कर उतने भाग को सुखा देते हैं, जिससे तना एवं शाखाएं टूट जाती हैं । इस रोग का प्रकोप कम उम्र के पौधों में अपेक्षाकृत अधिक होता है। अनुचित जल निकास वाले क्षेत्रों में भी इस बीमारी का प्रभाव अधिक होता है ।

तना अंगमारी रोग (स्टेम ब्लाइट)– प्रबंधन –

- बीजों को बुवाई से पूर्व रिडोमिल नामक कवकनाशी की 2 ग्रा. मात्रा प्रति किग्रा.बीज की से उपचारित करें ।
- खेतों में जल निकास की उचित व्यवस्था करें ।
- जहाँ इस रोग का प्रकोप अधिक होता है वहां 3-4 वर्ष तक अरहर की फसल नहीं लेनी चाहिए ।
- रोग की प्रारभिक अवस्था में ताम्रयुक्त कवकनाशी जैसे फायटोलान 50त्न की 2.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से या रिडोमिल एम.जेड. 1.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से 10-12 दिन के अन्तराल में छिडकाव करना चाहिए ।
- रोगरोधी किस्में जैसे ऱ्- पूसा-9, एन.ए.-1, एम.ए.-6, बहार, शरद, अमर आदि का चुनाव करना चाहिए।

क्रांति समय
शनिवार 06-जुलाई-2024

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राहुल गांधी पहुंचे हाथरस, मृतकों के परिवारों से मिले, दी सांत्वना

- हादसे की ली जानकारी, मदद का दिया आश्वासन

हाथरस। (एजेंसी)

कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी हाथरस सत्संग में मची भगदड़ में मारे गए लोगों से मिलने अलीगढ़ से हाथरस के नवीपुर के ग्रीन पार्क पहुंचे है। राहुल गांधी ने सत्संग कांड में मरने वालों के परिवार से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी और उन्हें मदद का पूरा भरोसा दिलाया। बता दें कि भोले बाबा के सत्संग के दौरान मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। कांग्रेस ने हाथरस भगदड़ की घटना के लिए यूपी की योगी सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। राहुल गांधी सुबह करीब पांच बजकर 10 मिनट पर दिल्ली से हाथरस के लिए रवाना हुए थे। राहुल गांधी अलीगढ़ के पिलखना में हाथरस हादसे के पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। इसके बाद वह हाथरस के नवीपुर खुर्द के पास ग्रीन पार्क और विभव नगर में पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। एक मृतक के परिवार के सदस्य से राहुल गांधी ने बातचीत की। राहुल गांधी ने पूछा कि यह घटना कैसे हुई? आपके परिवार के कितने लोगों ने इस हादसे में जान गंवाई हैं? और उनकी मदद करने की पूरी कोशिश करेंगे और सरकार से बात करेंगे क्योंकि उनकी पार्टी सत्ता में नहीं है। अपनी भाभी को खोने वाली एक महिला ने बताया कि राहुल गांधी ने उन्हें मदद का आश्वासन दिया है। यूपी के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने हाथरस की भगदड़ की घटना के लिए यूपी सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि हाथरस की घटना यूपी सरकार की विफलता है। सीएम योगी ने हाथरस का दौरा किया और बाद में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी वहां गए थे। वे एक साथ नहीं गए, यह बीजेपी की अंदरूनी कलह को दर्शाता है। उन्होंने भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवार को एक करोड़ रुपए और घायलों को 25 लाख रुपए मुआवजा देने की कांग्रेस की मांग दोहराई और कहा कि हम यह भी चाहते हैं कि घटना की न्यायिक जांच उच्च न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश से कराई जाए। यूपी सरकार ने घटना की जांच के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में न्यायिक जांच आयोग का गठन किया है। अजय राय ने यह भी मांग की कि नीट परीक्षा को रद्द किया जाना चाहिए और सरकार को नीट की दोबारा परीक्षा की तारीख का ऐलान करना चाहिए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि गुजरात की उन कंपनियों को यूपी में ठेके दिए जा रहे हैं जो अवैध गतिविधियों में लिप्त हैं। राय ने कहा कि गुजरात की एक कंपनी को यूपी पुलिस आरक्षक परीक्षा आयोजित करने की जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन पेपर लीक हो गया और कंपनी का मालिक अब विदेश भाग गया है।

मोबाइल फोन यूजर से 34824 करोड़ की मुनाफा वसूली

नई दिल्ली। (एजेंसी)

कांग्रेस ने तीन बड़ी टेलीकॉम कंपनियों द्वारा, 109 करोड़ मोबाइल फोन यूजर पर 34824 करोड़ रुपए का बोझ डालने पर केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। कांग्रेस ने ट्राई की रिपोर्ट को आधार बनाते हुए कहा है, कि सेल कंपनियां हर फोन ग्राहक से 152 रुपये 55 पैसे प्रतिमाह कमाती हैं। उसके बाद भी टेलीकॉम कंपनियों ने साजिश करके सुनयोजित रूप से अपने प्लान के रेट बढ़ाए हैं।

यहां शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला है। उल्लेखनीय है 27 जून को रिलायंस जिओ ने 12 से लेकर 27 फ़ीसदी तक रेट बढ़ा दिए हैं। वहीं 28 जून को एयरटेल ने 11 से लेकर 21 फीसदी तक तथा 29 जून को वोडाफोन आइडिया ने 10 से लेकर 24 फीसदी तक प्लान के रेट बढ़ाकर उपभोक्ताओं के साथ 35000 करोड रुपए की वसूली की जा रही है। तीनों टेलीकॉम कंपनियों ने सरकार ओर ट्राई की मोन सहमति मिलने के बाद सेल उपभोक्ताओं के ऊपर 34824 करोड रुपए का बोझ डाला है। यह टेलीकॉम कंपनियों की खुले आम लूट है।

कांग्रेस ने मोदी सरकार से सवाल किया है। नीलामी के माध्यम से स्पेक्ट्रम की खरीद होने वाले असर का अध्ययन करने के लिए सरकार ने कोई कमेटी बनाकर अध्ययन किया है? मोदी सरकार ने इसके पहले भी टेलीकॉम कंपनियों को 102000 करोड रुपए के स्पेक्ट्रम भुगतान की छूट देकर टेलीकॉम कंपनियों को फायदा पहुंचाया है। कांग्रेस ने चुनाव तक टेलीकॉम कंपनियों को दरें बढ़ाने की अनुमति नहीं दी। चुनाव परिणाम आने के बाद टेलीकॉम कंपनियों ने उपभोक्ताओं के ऊपर 35000 करोड रुपए का बोझ डाला है। कांग्रेस ने कहा है, सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी के बाद भी भारत सरकार और ट्राई ने जिस तरह से टेलीकॉम कंपनियों की लूट पर चुप्पी साध रखी है। यह उपभोक्ताओं के साथ धोखा है।

कामों की लंबी सूची लेकर दिल्ली पहुंचे नायडू

पीएम, गडकरी और शिवराज से की मुलाकात

नई दिल्ली। (एजेंसी)

आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू दो दिनों के दिल्ली दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान नायडू ने पीएम मोदी को एक लंबी डिमांड लिस्ट थमा दी। उन्होंने पीएम मोदी के सामने मांग रखी कि आंध्र प्रदेश के लिए अलग से बजट आवंटित करे। इसके अलावा अलग-अलग मंत्रालय भी अपनी परियोजनाओं में आंध्र प्रदेश को प्राथमिकता दें। इसके तहत उन्होंने सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित कई मंत्रियों से मुलाकात की। केंद्र की एनडीए सरकार में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाले नायडू इसका अहसास है कि आंध्र को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिल सकता। इसके बाद उनकी मांग स्पेशल पैकेज पर आ गई है। सूत्रों का कहना है कि उन्होंने पीएम मोदी से आंध्र पर 13 लाख करोड़ रुपये के कर्ज का मुद्दा उठाया। नायडू ने लंबी डिमांड लिस्ट रखते हुए कहा कि पोलावरम सिंचाई परियोजना के लिए भी मोदी सरकार रुके हुए फंड को जारी करे। उनकी बड़ी मांग यह भी थी कि अमरावती को राजधानी के तौर पर तैयार करना है। उसके लिए फंड की कमी है। इसकारण मोदी सरकार की ओर से यदि मदद मिल जाए, तब यह काम तेजी से पूरा हो सकेगा। इसके अलावा राज्य में सड़कों, बांध, पुलों, सिंचाई परियोजनाओं के तेजी से विकास के लिए उन्होंने अलग से पैकेज की मांग की है। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद नायडू ने सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से भी मीटिंग की। इस दौरान उन्होंने हाईवेज के विकास के लिए फंड की मांग की। कई परियोजनाओं का खाका भी गडकरी के सामने पेश किया। यही नहीं इसके बाद उन्होंने कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भी बात की।

हाथरस हादसा : जांच सामने आने के बाद सरकार करेगी कार्रवाई : राय

-पूरे मामले पर राज्य सरकार रख रही है निगरानी

पटना। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानन्द राय ने हाथरस सत्संग में मची भगदड़ में हुई मौतों पर दुखद जताया और घटना को कहा संवेदनशील है। घटना की गहनता से जांच की जा रही है और जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, सरकार उस पर कार्रवाई करेगी। शुक्रवार को पटना में पत्रकारों से नित्यानन्द राय बातचीत कर रहे थे । राय ने कहा हाथ्ररस घटना की जांच की जा रही है। पूरे मामले पर राज्य सरकार निगरानी रख रही है। पीएम नरेंद्र मोदी भी इस घटना के प्रति अतिसंवेदनशील हैं और केंद्र सरकार सभी तरह की मदद दे रही है। उन्होंने कहा कि घटना की गहनता से जांच की जा रही है और जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, सरकार उस पर कार्रवाई करेगी।

बता दें यूपी के हाथरस में भोले बाबा साकार हरि का सत्संग था। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रशासन की ओर से 80 हजार लोगों को मंजूरी मिली थी, लेकिन इसमें ढाई लाख से भी ज्यादा लोग पहुंच गए। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जब लोगों के बाहर जाने लगे तो भगदड़ मच गई। इस घटना में 121 लोगों की मौत हो गई ।

इधर, बिहार में लगातार पुल गिरने की घटनाओं पर केंद्रीय मंत्री नित्यानन्द राय ने कहा कि बिहार में जो भी पुल गिरे हैं, उसे बिहार सरकार ने बहुत ही तत्परता और गंभीरता से लिया है। पुल के गिरने की वजह की जांच कराई जा रही है और उसमें जो भी दोषी पाए जाएंगे, उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भारत आशावादी देशों की सूची में शामिल

-29 देशों के 25,520 लोगों के बीच कराया गया सर्वे

नई दिल्ली। (एजेंसी)

भारत दुनिया के तीन सबसे आशावादी देशों में शामिल हो गया है। भारत को यह स्थान एक सर्वे में अलग-अलग देशों के लोगों की ओर से दिए इकोनॉमिक आउटलुक के आधार पर मिला है। एक ग्लोबल सर्वे में भारत को इंडोनेशिया और सिंगापुर के साथ दुनिया के तीन सबसे आशावादी देशों में शामिल किया गया है। आईपीएसओएस द्वारा वॉट वरी द वर्ल्ड नाम से जारी एक सर्वे में बताया गया है कि 69 फीसदी भारतीयों का कहना है कि देश सही दिशा में जा रहा है। वहीं, सिंगापुर और इंडोनेशिया में ये आंकड़ा 79 और 70 फीसदी है। यह आंकड़ा वैश्विक स्तर 38 फीसदी है। सर्वे में 38 फीसदी शहरी भारतीयों ने माना है कि महंगाई एक सबसे बड़ी समस्या है। वहीं, 35 फीसदी का मानना है कि बेरोजगारी बड़ा मुद्दा है। पिछले सर्वे के मुकाबले महंगाई और बेरोजगारी की चिंता में 3 से 9 फीसदी की कमी देखने को मिली है। वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो महंगाई को लेकर 33फीसदी, जुर्म और हिंसा को लेकर 30 फीसदी, गरीबी और सामाजिक असमानता को लेकर 29 फीसदी, बेरोजगारी को

लेकर 27 फीसदी और वित्तीय एवं राजनीतिक भ्रष्टाचार को लेकर 25 फीसदी लोग चिंतित हैं। सर्वे 24 मई से लेकर 7 जून, 2024 के बीच किया गया है। इसमें 29 देशों के 25,520 लोगों से इस बारे में पूछा गया। ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, ब्राजील, कनाडा जैसे देशों में सैंपल साइज करीब 1,000 का रहा है। जबकि, भारत, अर्जेंटीना, चिली, इंडोनेशिया और इजराइल जैसे देशों में सैंपल साइज 500 रहा है। आईपीएससोएस इंडिया के सीईओ ने कहा कि वैश्विक उठापटक को रोकने में सरकार ने बड़ी भूमिका निभाई है। सरकार ने महंगाई और ईंधन की कीमतों को काबू में किया हुआ है। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। ब्रिक्स और जी-7 देशों में भारत का प्रभाव बढ़ रहा है, जो भारतीय नागरिकों के सकारात्मक आउटलुक की वजह है।

गुणवत्ता के साथ समझौता करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा

-बिहार में पुल गिरने की घटनाओं पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान बोले

पटना। (एजेंसी)

बिहार में पिछले 15 दिनों में 11 पुल गिर गए। इसे लेकर राजनीतिक बयानबाजी जारी है। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव डबल इंजन की सरकार की विफलता पर हमला बोल रहे हैं तो सत्ताधारी दल भी पुराना इतिहास याद दिला रहा है।

पटना में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने एक सवाल के जवाब में कहा, जो लोग ये कह रहे हैं कि एनडीए सरकार लूटने में लगी है। उनसे पूछना चाहूंगा कि ये निर्माण किसके समय में हुआ? निर्माण उसी समय हुआ है जिस वक्त राजद भी सरकार में थे। उन्होंने आगे कहा कि वह आरोप प्रत्यारोप की सियासत से ऊपर उठ कर काम कर रहे हैं और उनकी सरकार दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की कोशिश कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि हम आरोप प्रत्यारोप में नहीं जा रहे। इस बात को तय करने की जिम्मेदारी ले रहे हैं कि जिसने भी ऐसा किया है उसे बख्शा नहीं जाएगा। भ्रष्टाचार की वजह से गुणवत्ता के साथ समझौता किया है ऐसे हर एक दोषी को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार और डीईओ को निलंबित करने के सवाल पर चिरागा ने कहा कि जिस विभाग में भ्रष्टाचार हुआ है। मुख्यमंत्री कई बार इस बात को कह चुके हैं कि वह भ्रष्टाचार से समझौता नहीं करेंगे जिस तरह से किशनगंज की घटना सामने आई तुरंत उसके ऊपर कारवाई भी हुई है।

तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में राज्य सरकार पर तीखा हमला किया। दिन में पुलों का गिरना कोई सामान्य घटना नहीं है। यह भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा है। जिस दिन से नीतीश कुमार सीएम बने हैं, सिर्फ 18 महीने को छोड़ दें तो पूरे समय ग्रामीण कार्य विभाग जेडीयू के पास ही है। बिहार में लगातार भ्रष्टाचार देखने को मिल रहा है, बिहार में लगातार अपराध की घटनाएं हो रही हैं और सरकार चुप है।

संक्षिप्त समाचार

1.91 करोड़ की लाल चंदन की लकड़ियाँ जब्त, चार तस्कर गिरफ्तार

कडप्पा । आंध्र प्रदेश पुलिस ने चार तस्करों को गिरफ्तार कर 1.91 करोड़ मूल्य की 158 लाल चंदन की लकड़ियाँ जब्त कीं। उन्होंने एक मिनी लॉरी, एक ट्रैक्टर और एक दोपहिया वाहन भी जब्त किया। खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने कडप्पा जिले के पोटलादुर्थी गांव के पास प्रोड्डुटुरु-येरागुंटला रोड पर औचक निरीक्षण किया। उन्होंने परिवहन के लिए तैयार लाल चंदन की लकड़ियाँ लदी एक छोटी लॉरी को रोका। एसपी ने कहा, पुलिस ने अब तक 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस अपराध के मास्टरमाइंड और अन्य आयोजकों की भी पहचान कर ली है। हम उन्हें भी जल्द ही गिरफ्तार करने वाले है। इस साल की शुरुआत में मार्च में, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लाल चंदन तस्कर बादशाह माजिद मलिक और विजय सुब्बान्ना पुजारी सहित उनके सहयोगियों की 72.45 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर ली थी। जांच एजेंसी ने विशेष आर्थिक क्षेत्रों में स्थित कंपनियों के जाली दस्तावेज जमा करके लाल चंदन की तस्करी के लिए राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) द्वारा बादशाह, विजय और अन्य के खिलाफ दायर एक शिकायत के आधार पर जांच शुरू की।

छत्तीसगढ़ में जहरीली गैस से पांच की मौत, एसडीआरएफ टीम मौके पर मौजूद

जांजगीर चाम्पा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चाम्पा में जहरीली गैस के रिसाव से पांच लोगों की मौत हो गई। मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू के लिए टीमों को बुलाया है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। जानकारी के मुताबिक यह घटना किकिरदा गांव की है। यहां एक व्यक्ति लकड़ी निकालने के लिए कुएं में उतरा था। जैसे ही कुएं में अंदर पहुंचा तो जहरीली गैस की वजह से उसे सांस लेने में दिक्कत हुई। इसके बाद उसे बचाने के लिए रमेश भी कुएं में उतर गया, लेकिन रमेश का भी दम घुटने लगा। इन दोनों के बाद रमेश के बेटे राजेंद्र और जितेंद्र अपने पिता को बचाने के लिए कुएं में उतरे, लेकिन जहरीली गैस के कारण उनका भी दम घुट गया। इसके बाद टिकेश चंद्र भी कुएं में उतरा और उसकी भी दम घुटने से मौत हो गई। स्थानीय लोगों को पता चला तो पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ लग गई। घटना की सूचना मिलते ही तहसीलदार और बिर्रा पुलिस मौके पर पहुंच गई। एसडीआरएफ की टीम को भी बुलाया गया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

मासूम से दरिंदगी और हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक मासूम के साथ दुष्कर्म करने और उसकी हत्या करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि भिवंडी के शांति नगर पुलिस थाने के गोविंद नगर के अभय यादव (42) ने गुरुवार दोपहर को बच्ची का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म किया और बाद में उसका गला घोंट कर हत्या कर दी। राहगीरों ने पुलिस को एक बच्ची का शव पड़े होने की सूचना दी थी, जिसके बाद इस मामले की जांच शुरू की और कुछ ही घंटों में ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। शांति नगर पुलिस ने गुरुवार को एक व्यक्ति को अपनी पत्नी की हत्या कर शव को भावदाड़ गांव के एक कुएं में फेंकने के आरोप में गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक आरोपी कंचन दास (36) ने बुधवार को अपनी पत्नी लक्ष्मी दास की दुपट्टे से गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी ने महिला के परिवार को बताया कि वह किसी के साथ भाग गई है। जांच में उसकी संलिप्तता का संदेह होने के बाद आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया।

बिहार के अररिया में पड़ोसी के घर मिला भाजपा नेता का शव

अररिया । बिहार के अररिया जिले में पुलिस ने भाजपा के एक नेता का शव उनके पड़ोसी के घर से बरामद किया है। पुलिस ने इसके लिए विशेष जांच टीम का गठन किया गया है। पुलिस के मुताबिक, शिवपुरी मोहल्ला वार्ड निवासी एनके गुप्ता के आवास से अररिया जिला के पूर्व भाजपा उपाध्यक्ष राजीव कुमार झा उर्फ पप्पू झा (55) का शव संदेहास्पद स्थिति में बरामद किया है। अररिया के पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पूरे मामले की जांच के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम का गठन किया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शव पर किसी प्रकार के घाव के निशान नहीं हैं, लेकिन मुंह और नाक से खून बह रहा था। पुलिस के मुताबिक, मौत के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही चलेगा। पुलिस प्रथम दृष्ट्या इसे हत्या मानकर पूरे मामले की जांच कर रही है। मृतक फिलहाल भाजपा कार्यसमिति के सदस्य थे।

राहुल गांधी के बयान पर गिरिराज सिंह भड़के, कहा- जनता देगी जवाब

-भाजपा नेता व केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने नेता प्रतिपक्ष पर साधा निशाना

पटना, (एजेंसी)।

भाजपा के नेता व केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने हिंदुओं को हिंसक बताकर उनका अपमान किया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल पहले भी हिंदुओं को अपमानित करते रहें हैं लेकिन इस बार उन्होंने संसद के अंदर हिंदुओं को हिंसक कहने का दुस्साहस किया है। समय आने पर देश की जनता उनको इसका जवाब देगी। सिंह ने कहा कि देश में हिंदुओं को कमजोर करने की साजिश की रही है। राहुल गांधी साजिश रचने वाली टीम का हिस्सा हैं। वह और उनकी टीम लगातार हिंदुओं व सनातनियों के खिलाफ काम करती है। जनता को ऐसे लोगों से सावधान रहना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के इशारे पर ही तमिलनाडु सीएम स्टालिन के बेटे उदयनिधि ने भी हिंदुओं को गाली दी थी और सनातन धर्म को खत्म करने की बात कही थी। यही कारण है कि जनता के विरोध के बावजूद राहुल गांधी ने कभी भी उदयनिधि की बातों का खंडन नहीं किया। इसके बजाय वे डीएमके नेता के बयानों का समर्थन करते रहे हैं। सिंह ने आगे कहा कि राहुल गांधी ने हिंदुओं को खत्म करने की मुहिम छेड़ रखी है। इसके लिए वे साजिश रच रहे हैं लेकिन हिंदू समाज जाग चुका है। वह उनकी हर साजिश का जवाब देबा और उनकी मंशा को सफल नहीं होने देगा।

बिहार में पुलों के लगातार गिरने की घटना पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज ने कहा कि इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए लेकिन विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव राजनीति करने से बाज नहीं आ रहे हैं। इसीलिए हमने बिहार के सीएम नीतीश कुमार से कहा है कि वह इस मामले की जांच कराएं और इस बात का भी पता लगाएं कि इन पुलों का निर्माण कब हुआ और इसके लिए कौन जवाबदेह है। उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शिवसेना टकसाली नेता पर निहंगों ने किया जानलेवा हमला

पंजाब के लुधियाना में घटना

लुधियाना । पंजाब के लुधियाना में शिवसेना टकसाली नेता संदीप थापर उर्फ गोरा पर निहंगों ने जानलेवा हमला किया। जानकारी के मुताबिक तीन निहंगों ने अस्पताल के बाहर गोरा पर तलवार से कई वार किए और इसके बाद वे फरार हो गए। उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

जानकारी के मुताबिक संदीप थापर सुबह संवेदना ट्रस्ट के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अस्पताल गए थे। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि स्कूटी से तीन लोग पहुंचते हैं। तभी एक आरोपी तलवार से संदीप थापर पर हमला करने लगता है। इसके बाद वह चार से पांच बार वार करता है। कुछ ही सेकंड में वे स्कूटी पर बैठकर भाग जाते हैं।

घटना के वक्त आसपास काफी संख्या में लोग मौजूद थे। हालांकि आरोपियों के हाथ में धारदार हथियार देखकर किसी के पास जाने की हिम्मत नहीं हुई। आरोपियों ने थापर को लहूलुहान कर दिया। वहीं उनके सिर पर गंभीर चोट आई है। तुरंत लोग उन्हें लेकर सिविल अस्पताल पहुंचे।

जानकारी के मुताबिक थापर हमेशा खालिस्तान के खिलाफ बयान देते हैं। इसके अलावा उन्होंने पंजाब में किसान आंदोलन के खिलाफ भी बयान दिए थे। जब हमला हुआ तब थापर के साथ उनका गनमैन भी मौजूद था। हालांकि उसका कहना है कि निहंगों ने पकड़ कर हथियार छीनने की भी कोशिश की। थापर के समर्थकों का कहना था कि लंबे समय से उन्हें धमकी मिल रही थी इसके बाद उन्हें केवल एक गनमैन दिया गया था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group
Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार
के खिलाफ लड़ाई

५ साल की बच्ची से दुष्कर्म मामले में स्थानीय लोग कलेक्टर कार्यालय ज्ञापन देने पहुंचे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

क्रांति समय, सूरत, डिंडोली इलाके में ५ साल की बच्ची से रेप का मामला सामने आया है. इस घटना में नराधम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और कानूनी कार्रवाई की गयी है. इस बीच बड़ी संख्या में स्थानीय लोग कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और नराधम को मौत की सजा देने की मांग करते हुए ज्ञापन दिया.

डिंडोली इलाके में रहने वाली ५ साल की बच्ची के साथ ३७ साल के सुरेश उर्फ सलमान रामभाई गोस्वामी ने दुष्कर्म किया. इस घटना की जानकारी मिलते ही डिंडोली पुलिस ने तुरंत मामले की जांच की और आरोपी को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की. वहीं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और एक ज्ञापन देकर मांग की, कि मामले की त्वरित सुनवाई करते हुए कोर्ट में आरोपी को फांसी की सजा दी जाए. कलेक्टर कार्यालय में लोगों ने ५ साल की बच्ची से दुष्कर्म करने वाले नराधम को फांसी दो, ऐसे बैनरो के साथ ज्ञापन दिया.

ज्ञापन देने पहुंचे एक स्थानीय ने कहा की,''२ जुलाई को ५ साल की बच्ची के साथ ३७ वर्षीय नराधम ने दुष्कर्म किया था.

इस मामले में हम मौत की सजा दिलाने के लिए मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में करने के लिए ज्ञापन देने कलेक्टर कार्यालय पहुंचे है. इस मामले में पुलिस ने तुरंत आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था. हम कोर्ट से मांग करते हैं कि इस नराधम को जल्द से जल्द फांसी की सजा दी जाए.

संपत्ति में नाम कम करने के लिए रिश्वत लेते हुए महिला तलाटी गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

क्रांति समय,सूरत समेत पूरे राज्य में रिश्वतखोरी की घटनाएं सामने आती रहती है, साथ ही इसके मामले भी बढ़ते जा रहे हैं. हालाँकि, रिश्वत लेने से हमेशा छोटी कर्मचारी या परिवार के सदस्य को एसीबी द्वारा पकड़ा जाता हैं. एक बार सूरत जिले के कामरेज के पास नवी पारदी गांव में एक महिला तलाटी को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया है. संपत्ति से नाम कम करने के लिए रिश्वत की मांग की थी. रिश्वत लेने वाली महिला तलाटी को रंगे हाथों पकड़ लिया गया.

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, सोनल शंभू देसाई कामरेज के नवी पारडी ग्राम पंचायत में तलाटी के पद पर कार्यरत थी. नवी पारडी पंचायत कार्यालय में शिकायतकर्ता के सीधे वंश के उत्तराधिकारियों के नाम पैतृक संपत्ति में आ रहे थे. जिनमें शिकायतकर्ता की सास और दो ननदों के नाम कम करने के लिए शपथ पत्र दिए गए. इसके बाद आगे की कार्रवाई के लिए तलाटी से संपर्क किया तो तलाटी सोनल ने शिकायतकर्ता से कहा कि अगर आप संपत्ति में नाम कम कराने के लिए ९ हजार रूपये देंगे तो आपका काम हो जाएगा. यह बताकर ९ हजार रूपये की रिश्वत मांगी गयी थी. हालाँकि, शिकायतकर्ता रिश्वत नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने एसीबी से संपर्क किया और पूरी घटना के सबूत एसीबी के सामने पेश किए. घटना की जानकारी होने पर एसीबी की टीम ने नवीपारडी पंचायत कार्यालय में जाल बिछाया. हालांकि, एसीबी द्वारा बिछाया गया ट्रैप सफल रहा और तलाटी को ९ हजार की रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया गया. एसीबी की टीम ने तलाटी सोनलबेन देसाई को गिरफ्तार किया है और आगे की जांच कर रही है.

सूरत में निकलेंगी ७ रथ यात्राएं- महाप्रसाद का भी आयोजन, ४ हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

क्रांति समय, सूरत, रविवार ७ जुलाई को आषाढ़ी बीज के दिन सूरत शहर में अलग-अलग जगहों से रथयात्रा शुरू होने जा रही है और सूरत में रथयात्रा को लेकर पुलिस की ओर से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है. पुलिस द्वारा आधुनिक सुसज्जित बॉडीवॉर्न कैमरे, सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन के जरिए भी निगरानी की जाएगी. अगले रविवार ७ जुलाई को आषाढ़ी बीज है.

जहांगीरपुरा इस्कॉन मंदिर द्वारा रथ यात्रा रेलवे स्टेशन से शुरूहोकर दिल्ली गेट से शुरू होकर फालसावाड़ी सर्कल से सहारा दरवाजा से रिंग रोड कपड़ा बाजार से मान दरवाजा से उधना दरवाजा ब्रिज से मजूरा गेट से अठवागेट से सरदार ब्रिज से गुजरात सर्कल से चोकसीवाड़ी ऋषभ चार रास्ता रांदेर रोड से नवयुग कॉलेज से ताडवाडी तीन रास्ते से पालनपुर पाटिया से रामनगर से होकर मोरा भागल से सुभाष बाग गार्डन सर्कल से जहांगीरपुरा ओवरब्रिज नीचे के तीन रास्ते से जहांगीरपुरा इस्कॉन सर्कल पर दाएं टर्न लेकर इस्कॉन मंदिर जहांगीरपुरा पर पूरा होगा.

इस रथ यात्रा में पुलिस की पर्याप्त व्यवस्था रहेगी और आधुनिक सुविधा वाले बॉडीवॉर्न कैमरे, सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन से निगरानी भी की जाएगी. इस समझौते की तैयारी के तहत पुलिस द्वारा कॉम्बिंग और होटल गेस्ट हाउस की चेकिंग भी की गई और आपराधिक गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों पर नजर रखी गई है. विभिन्न स्तरों पर शांति समिति की बैठक भी हुई. इसके अलावा त्योहार के मौके पर रूट डायवर्जन और भारी वाहनों पर प्रतिबंध, हथियारों पर प्रतिबंध, ध्वनि प्रदूषण पर रोक के नोटिस भी जारी किए गए है.

सूरत के पुलिस कमिश्नर अनुपम सिंह गहलोत ने कहा कि सूरत शहर में ७ रथ यात्राएं, ४ शोभा यात्राएं और एक महाप्रसाद का आयोजन किया गया है. रथ यात्रा अलग-अलग इलाकों से निकलेगी और प्रमुख यात्राएं रेलवे स्टेशन से शुरू होकर जहांगीरपुरा इस्कॉन मंदिर तक जाएंगी. इस रथयात्रा के पूरे रास्ते में लाखों लोग भगवान के दर्शन के लिए इकट्ठा होते है. इस रथ यात्रा के लिए कुल ४,००० पुलिसकर्मी, होम गार्ड और ट्रैफिक पुलिस तैनात किए जाएंगे. इसके अलावा ३ जेसीपी, ८ डीसीपी, २० एसीपी, ४१ पीआई और १५० पीएसआई के साथ ४ हजार पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे.

रथयात्रा आगे बढ़ने और यातायात सुगम हो ऐसी व्यवस्था की गई है. रथों के सुगम मार्ग के लिए मेट्रो बैरिकेडिंग को भी समायोजित किया गया है. इसके साथ ही पूरे रूट पर ड्रोन कैमरे से भी निगरानी की जाएगी. उसके लिए ७ ड्रोन तैनात किए गए है. इसके अलावा रथयात्रा से पहले रूट पर ट्रैफिक व्यवस्था के बारे में अलर्ट करने के लिए ड्रोन कैमरों का भी इस्तेमाल किया जाएगा. इसके अलावा करीब ६०० बॉडीवॉर्न कैमरे भी होंगे जो पूरी बात रिकॉर्ड करेंगे. इस पूरे रूट पर करीब ८७० सीसीटीवी कैमरे हैं और कंट्रोल रूम से नजर रखी जाएगी.

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि दौड़-भाग और धक्का-मुक्की को रोकने का विशेष ध्यान रखा जाएगा, जिसमें मेट्रो के बैरिकेड्स हटा दिए जाएंगे, वह ऐसी व्यवस्था करेंगे कि रथ में भगवान के दर्शन के लिए भीड़ न हो, ऐसे १० स्थान चिन्हित किए गए जहां भीड़ हो सकती है, प्रसाद न फेंके जिससे दौड़ा दौड़ी न हो इसके लिए निगरानी रखी जाएगी.

ट्यूशन पहुंचने की जल्दी में कक्षा-१२ की एक छात्रा की ट्रेन की चपेट में आ जाने से गई जान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

क्रांति समय, सूरत, नवागाम डिंडोली इलाके में रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से एक १६ वर्षीय लड़की की मौत हो गई. ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हुई. फिलहाल पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है.

इस संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक, सूरत के नवागाम डिंडोली इलाके में रहने वाली १६ साल की मेघना जितेंद्र ठाकरे कक्षा-१२ में पढ़ती थी. मेघना शाम साढ़े छह बजे ट्यूशन पढ़ने जा रही थी. इसी दौरान नवागाम डिंडोली रेलवे ट्रैक पर बिना ध्यान दिए सड़क पार कर रही थी तभी ट्रेन की चपेट में आ गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई. हालांकि, आस-पड़ोस के लोग तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

मृतक मेघना ठाकरे मूल रूप से महाराष्ट्र की रहने वाली है और फिलहाल सूरत के नवागाम इलाके में रह रही थी. मेघना के पिता जीतेंद्र ठाकरे सांचा मशीन में कारीगर है. उनके परिवार में एक बेटी और एक बेटा है. जिसमें बेटा बड़ा है और बेटी मेघना छोटी है. मेघना कक्षा-१२ में पढ़ती थी. अब बेटी की मौत से परिवार में मातम छा गया है. पुलिस आगे की जांच कर रही है.

सूरत डायमंड बुर्स में अषाढ़ी बीज के दिन २५० कार्यालय शुरू होंगे, दिवाली तक १ हजार कार्यालय शुरूहोने का दावा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

क्रांति समय, सूरत, दुनिया के सबसे बड़े हीरा व्यापार केंद्र सूरत डायमंड बुर्स के लगभग २५० कार्यालय रविवार को आषाढ़ी बीज और रथ यात्रा के दिन खुलेंगे. डायमंड बुर्स का उद्घाटन दिसंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था. लेकिन अब तक वहां पूरी तरह कार्यालय शुरू नहीं हो सका है. हालांकि, एक बार फिर से बुर्स प्रबंधन की ओर से घोषणा की गई है कि डायमंड बुर्स में आषाढ़ी बिज के दिन २५० कार्यालय और दिवाली तक १००० कार्यालय खोले जाएंगे.

एक बार फिर डायमंड बुर्स को शुरू करने की कवायद चल रही है. सूरत डायमंड बुर्स के उपाध्यक्ष लालजीभाई पटेल ने कहा कि हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि रविवार ७ जुलाई को अषाढ़ी बीज और रथ यात्रा के दिन २५० से अधिक कार्यालय खुलने जा रहे है. इंडस्ट्री में खुशी का माहौल है. ५०० कार्यालय फर्नीचर का कार्य प्रगति पर है. जैसे ही फर्नीचर का काम पूरा हो जाएगा, कार्यालय भी शुरू कर दिए जाएंगे. हमारी पूरी टीम को भरोसा है कि दिवाली तक १००० से ज्यादा ऑफिस खुल जाएंगे.

उन्होंने आगे कहा कि हीरा उद्योग के कई दलालों के फोन आ रहे है. हम हीरा उद्योग में अपने ब्रोकरों और व्यापारिक मित्रों को बताना चाहेंगे कि हम उनका वहां आने के लिए स्वागत करते है. हमारे पास कतारगाम गोधानी सर्कल और मिनी बाज़ार से सुबह 8:30 बजे से डायमंड बुर्स तक हर डेढ़ घंटे में एक बस है. यह बस सेवा रविवार से शुरू होगी. इसी तरह की सुविधा डायमंड बुर्स से रिर्टन के लिए भी उपलब्ध है. वहां सभी ब्रोकर मित्र और व्यापारी मित्र इसे पसंद करेंगे. सोमवार से डायमंड बुर्स में बड़े पैमाने पर कारोबार व्यापारियों द्वारा शुरूकी जाएगी.